Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 145
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
गुरूवार,25 दिसम्बर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की जयंती पर लखनऊ

4 गरीबी से चल रही लड़ाई में एक रास्ता नजर आया है

5 ऋतिक रोशन के कजिन की शादी में एक्स वाइफ सुजैन का ग्लैमरस

माफिया के सामने झुकती थीं पिछली सरकारें, हमने कानून का राज स्थापित किया: योगी

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शीतकालीन सत्र के दौरान अनुपूरक बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि समाज की पहली आवश्यकता सुरक्षा है और कानून का राज स्थापित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सीएम योगी ने कहा कि हर व्यक्ति, व्यापारी और बेटी को सुरक्षित महसूस होना चाहिए और उनकी सरकार ने इस दिशा में ठोस परिणाम दिए हैं, जिसका उत्तर प्रदेश की जनता लगातार समर्थन कर रही है। उन्होंने विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में माफिया और अपराधियों के सामने सत्ता झुकती थी। मुख्यमंत्री ने पूजा पाल प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय न्याय दिलाने का साहस नहीं था, जबकि उनकी सरकार ने यह तय किया है कि न्याय किसी पक्ष या दल को देखकर नहीं, बल्कि कानून के आधार पर होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बेटी चाहे किसी भी पक्ष की हो, उसे हर हाल में न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि विजमा यादव को भी उन्होंने भरोसा दिलाया था कि सरकार उन्हें पूरी सुरक्षा देगी। समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पौने नौ साल पहले उनकी सरकार सत्ता में थी, तब क्या उन्होंने अपनी ही सरकार को माफिया और अपराध पर लगाम लगाने की सलाह दी थी। उन्होंने एक शेर के माध्यम से विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि, तू इधर उधर की न बात कर, ये बता कि कारवां कैसे लुटा। इसका जवाब जनता पहले ही दे चुकी है। श्री योगी ने कहा कि माफिया के खिलाफ सरकार की नीति स्पष्ट और कठोर रही है, जिसे जमीन पर लागू कर के दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि मजबूत इच्छाशक्ति और बेहतर कानून-व्यवस्था के बिना आर्थिक विकास संभव नहीं है, और उनकी सरकार ने सुरक्षा को विकास की आधारशिला बनाया है। विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश की सड़कें गड्ढों से भरी थीं और मेट्रो रेल परियोजनाएं मजाक बनकर रह गई थीं। केंद्र सरकार के साथ समन्वय के अभाव में रेल और सड़क परिवहन को जोड़ने का कोई ठोस प्रयास नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि उस समय गठबंधन की मजबूरी में कांग्रेस पर निर्भर रहना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में केवल डेढ़ एक्सप्रेस-वे थे, जबकि अब यह संख्या बढ़कर 22 हो चुकी है। देश के कुल एक्सप्रेसवे का लगभग 60 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में है। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक एयरपोर्ट, सबसे बड़ा रेल नेटवर्क और मजबूत बुनियादी ढांचा आज उत्तर प्रदेश की पहचान बन चुका है, जो कानून-व्यवस्था और विकास के संतुलन का परिणाम है।

इसरो के बाहुबली ने मचाया धमाल, अमेरिकी सैटेलाइट ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 को अंतरिक्ष में पहुंचाया

श्रीहरिकोटा : भारत के भारी प्रक्षेपण रॉकेट एलएमवी3 ने बुधवार सुबह अमेरिकी अमेरिकी संचार उपग्रह ब्लू बर्ड 6 को सफलतापूर्वक पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित कर दिया। लगभग 6.1 टन वजनी ब्लू बर्ड 6 उपग्रह अमेरिका की नैस्डैक में सूचीबद्व उपग्रह संचार कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल का है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने इसके सफल प्रक्षेपण के बाद कहा मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि एलएमवी3 ने ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 अमेरिकी उपग्रह को सफलतापूर्वक और सटीक रूप से निश्चित कक्षा में स्थापित कर दिया है। इसके सभी मानकों ने अच्छा प्रदर्शन किया और यह 52 दिनों के कम समय में दूसरा एलएमवी3 मिशन है। उन्होंने मिशन की सफलता के लिए इसरो की पूरी टीम को धन्यवाद दिया। सुबह 8.55 बजे, 43.5 मीटर लंबा और 640 टन वजनी एलएमवी3 रॉकेट ब्लू बर्ड 6 को लेकर सतीश धवन स्पेस सेंटर (एसडीएससी) रॉकेट पोर्ट के दूसरे लॉन्च पैड से प्रक्षेपित किया गया। रॉकेट एक तेज, गहरी गड़गड़ाहट के साथ आसमान की ओर बढ़ने लगा और घनी नारंगी लौ के साथ एक सपार्कार जैसी लंबी और मोटी सफेद धुएं की लकीर छोड़ रहा था। मिशन कंट्रोल सेंटर में इसरो के वैज्ञानिक अपनी कंप्यूटर स्क्रीन पर रॉकेट की ऊपर की उड़ान और इससे संबंधित डेटा को दिल थाम कर देख देख रहे थे। एलएमवी3(पहले जीएसएलवी एम3) को श्बाहुबलीश के नाम से जाना जाता है। सफल फिल्म बाहुबली में, अच्छी कद-काठी वाला अभिनेता आसानी से एक भारी शिवलिंग उठा लेता है। इसी तरह एलएमवी3 वर्तमान में भारत का सबसे भारी प्रक्षेपण रॉकेट है। अपनी उड़ान के लगभग 16 मिनट बाद एलएमवी3 ने ब्लू बर्ड 6 को तय कक्षा में छोड़ दिया। इस सफल प्रक्षेपण के साथ एलएमवी3 रॉकेट ने लगातार आठ सफल मिशनों का अपना शानदार रिकॉर्ड बनाए रखा है। एलएमवी3 तीन-स्टेज वाला एक रॉकेट है जिसमें दो सॉलिड स्ट्रैप-ऑन मोटर ,एक लिक्विड कोर स्टेज और एक क्रायोजेनिक अपर स्टेज शामिल हैं। यह दीर्घ वृताकार कक्षा(जीटीओ) में लगभग चार टन और निचली कक्षा में 10 टन तक वजन ले जा सकता है। इसरो अपनी जीटीओ क्षमता को पांच टन तक बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। लगभग 6.5 टन का ब्लू बर्ड 6 एलएमवी3 द्वारा निचली कक्षा में स्थापित किया गया अब तक का सबसे भारी उपग्रह है जिसकी वर्तमान में प्रक्षेपण सफलता दर 100 प्रतिशत है। ब्लू बर्ड 6 एएसटी स्पेसमोबाइल के अगली पीढ़ी के उपग्रह बेडे की शुरूआत है।

सार संक्षेप

बीएमसी के रण में एक हुए उद्धव- राज ठाकरे, गठबंधन की घोषणा

मुंबई : शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव से पहले बुधवार को गठबंधन की घोषणा की, जिससे गठबंधन को लेकर महीनों से जारी अटकलों पर विराम लग गया। राज ठाकरे के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि दो दल साथ रहने के लिए एकसाथ आए हैं। राज ठाकरे ने हालांकि बीएमसी चुनाव में दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे की विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। राज ने कहा, मुंबई का महापौर मराठी होगा और वह हमारा होगा। उद्धव ने कहा कि दोनों पार्टियों ने नासिक नगर निगम के लिए सीट के बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया है जहां 15 जनवरी को चुनाव होने हैं, साथ ही मुंबई और राज्य के 27 अन्य नगर निगमों में भी चुनाव होने हैं। उद्धव ने कहा, ह्यह्यभारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जो हो रहा है उसे सहन न कर पाने वाले हमारे साथ आ सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में सीआरपीएफ कैंप में घुसा तेंदुआ

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के काप्रान इलाके में बुधवार सुबह एक तेंदुआ अचानक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शिविर में घुस गया और नाश्ता कर रहे जवानों पर हमला कर दिया, जिससे एक जवान घायल हो गया। सीआरपीएफ सूत्रों के अनुसार, जवान शिविर के मेस में नाश्ते के लिये इकट्ठा हुए थे, तभी एक तेंदुआ शिविर में घुस आया और जवानों पर हमला कर दिया। इससे शिविर में अफरा-तफरी मच गयी तेंदुए के हमले में कमलेश कुमार नाम का एक जवान घायल हो गया। उसे तुरंत पास के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने उनका तुरंत इलाज किया। अधिकारियों ने शिविर के आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों को किसी भी संभावित खतरे से बचने के लिये सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने उम्मीद जतायी है कि तेंदुए को जल्द ही काबू में कर लिया जाएगा या सुरक्षित रूप से वापस जंगल की ओर भेज दिया जायेगा।

स्वास्थ्य विज्ञान और अभियंत्रण विश्वविद्यालयों में मिलेगी हाई-लेवल तकनीकी शिक्षा: सीएम नीतीश

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को कहा कि राज्य के छात्र एवं छात्राओं को उच्च स्तर की तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिये बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय एवं बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मीठापुर में बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय एवं बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के निमार्णाधीन भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री को विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की सचिव

डॉ. प्रतिमा एस. वर्मा ने बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय तथा स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के भवन के निर्माण कार्य से संबंधित जानकारी दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निरीक्षण के दौरान कहा कि बिहार के छात्र एवं छात्राओं को उच्च स्तर की तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिये बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय एवं बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय एवं बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के निमार्णाधीन सभी संरचनाओं का निर्माण कार्य बेहतर ढंग से और तेजी से पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि मीठापुर के इस क्षेत्र में चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वाविद्यालय, निफ्ट, चाणक्या लॉ यूनिवर्सिटी एवं मौलाना मजहरूल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थान बनाये गए हैं। यह पूरा क्षेत्र काफी अच्छा हो गया है। इन दोनों विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य पूर्ण होने से यह क्षेत्र और भी अच्छा दिखेगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 27 जुलाई 2022 को बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी तथा इसके भवन के निर्माण के लिये मीठापुर, पटना में 05 एकड़ भूमि आवंटित की गई। मुख्य भवन 04 मंजिल का होगा। इसका कुल निर्मित क्षेत्रफल 1,11,732 वर्गफीट है। इसके भूतल पर डीन कार्यालय, रजिस्ट्रार का कार्यालय, कैफेटेरिया एवं अन्य कार्यालय, प्रथम तल पर कुलपति कार्यालय, मीटिंग हॉल तथा मूल्यांकन केन्द्र बनाया जा रहा है।

मिट्टी का टीला ढहने से चार लोग मलबे में दबे, दो की मौत

रायबरेली : फावड़े से मिट्टी निकाल रहे लोगों पर टीला ढह गया। इससे चार लोग मलवे में दब गए। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। वही दो गंभीर रूप से घायल हो गए। मामला नसीराबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत अकेलवा रोड बड़ी बाग ईदगाह सैयद नगर का है जहां जेसीबी से खनन किया जा रहा था, खनन के कारण लगभग 20 फीट गहरा गड्ढा हो गया था, देर रात चारों लोग गड्ढे में उतरकर फावड़े से मिट्टी निकाल रहे थे। तभी ऊपर से मिट्टी का टीला भर भराकर ढह गया। स्थानीय लोगों की मदद से मलबे में दबे चारों लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने बृजेश कुमार (19) को मृत घोषित कर दिया। वहीं से तीनों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान बृजपाल (60) दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आगे की विधिक कार्रवाई शुरू की।

इसरो का बाहुबली लॉन्च पीएम मोदी ने वैज्ञानिकों को दी हार्दिक बधाई

नयी दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को भारत से एलवीएम3 रॉकेट से सबसे भारी उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने तथा गगनयान जैसे भविष्य के मिशनों के लिए नींव मजबूत करने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारी सामान ले जाने में सक्षम एमवीएम3 रॉकेट की सफलता ने वैश्विक प्रक्षेपण बाजार में भारत की बढ़ती भूमिका को भी मजबूत किया है। इसरो के एवीएम3 रॉकेट ने अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेस मोबाइल के 6.5 टन वजनी ब्लूबर्ड ब्लॉक2 उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में यह एक बड़ी उपलब्धि है। एलवीएम-एम6 का सफल प्रक्षेपण, जिसने भारतीय धरती से प्रक्षेपित किए गए अब तक के सबसे भारी उपग्रह ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 को उसकी तय कक्षा में पहुंचाया, यह भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा, यह भारत की भारी पेलोड प्रक्षेपण की क्षमता को मजबूत करता है और वैश्विक वाणिज्यिक प्रक्षेपण बाजार में हमारी बढ़ती भूमिका को और मजबूत करता है। मोदी ने कहा कि एमवीएम3 प्रक्षेपण आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को भी दिखाता है और उन्होंने मेहनती अंतरिक्ष वैज्ञानिकों व इंजीनियरों को बधाई दी। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष की दुनिया में भारत लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। भारत के युवाओं की शक्ति से हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम और भी ज्यादा उन्नत और प्रभावशाली होता जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, एलवीएम3 ने भारी पेलोड ले जाने का भरोसेमंद प्रदर्शन किया है, जिससे हम गगनयान जैसे भविष्य के मिशन के लिए नींव मजबूत कर रहे हैं, वाणिज्यिक प्रक्षेपण सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं और वैश्विक साझेदारियों को गहरा कर रहे हैं।

लखनऊ में घने कोहरे के साथ ओस की बारिश

लखनऊ: लखनऊ में,बुधवार सुबह से घना कोहरा छाया रहा। आसमान से ओस की बूंदें गिरीं। विजिबिलिटी करीब 100 मीटर रही। 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बफीर्ली हवाएं चलीं। कोहरे की वजह से सुबह के समय वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा। जिलाधिकारी ने नर्सरी तक के स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है। कक्षा-1 से 8 तक की कक्षाएं सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक चलेंगी। सुबह करीब 9 बजे सूर्य निकला, लेकिन कोहरे और बादल ने उसे ढक लिया। आसमान में बादल छाया रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान तापमान 23 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री रहने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सीपीसीबी की तरफ से मंगलवार शाम शाम बजे जारी आंकड़े के मुताबिक, लखनऊ का एक्यूआई 157 यलो जोन में रहा। बीते 24 घंटे में विजिबिलिटी 100 मीटर दर्ज की गई। मंगलवार को दिन का अधिकतम तापमान 20.2 डिग्री रहा। यह सामान्य तापमान से 1.9 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.6 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 95 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 66 फीसदी रहा। ठंड की वजह से स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव लखनऊ में ठंड और कोहरे के चलते स्कूलों का समय बदला गया है। डीएम विशाख जी ने मंगलवार को आदेश जारी करते हुए कहा कि बुधवार से 12वीं तक के सभी स्कूल सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक चलेंगे। इसके अलावा सभी बोर्डों के प्री-प्राइमरी और नर्सरी तक के स्कूल 24 दिसंबर से 27 दिसंबर 2025 तक बंद रहेंगे। डीएम ने इस आदेश का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया है।

अखिलेश का बीजेपी पर तीखा वार

यूपी भर्तियों में ओबीसी आरक्षण की लूट

लखनऊ,। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उत्तर प्रदेश सरकार की भर्तियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को संवैधानिक रूप से अनिवार्य आरक्षण नहीं देने और पिछले पांच वर्षों में आरक्षित श्रेणियों के पदों की बड़े पैमाने पर लूट का बुधवार को आरोप लगाया। यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा संविधान के तहत ओबीसी के लिए निर्धारित 27 प्रतिशत आरक्षण में से लगभग एक-तिहाई हिस्से को खारिज कर रही है, जिससे उसका संविधान और

आरक्षण विरोधी चेहरा उजागर हो रहा है। उन्होंने पोस्ट के साथ एक चार्ट भी साझा किया और कहा, पिछले पांच साल में हुई सभी भर्तियों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) वर्ग के पदों की लूट हुई है। ये पिछली चार भर्तियों का लेखा-जोखा है। इन सभी भर्तियों में 30 हजार से अधिक पीडीए पदों की लूट हुई। चोरी पकड़े जाने के बाद सरकार ने तथाकथित समिति गठित की, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, केवल मीडिया मैनेजमेंट हुआ। अखिलेश यादव ने सरकार से सवाल किया, ह्यक्या ये पीडीए विरोधी सरकार बताएगी कि वह आखिरकार कब तक ओबीसी, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण की लूट करती रहेगी? आरक्षण का हक मारने के लिए ह्यनॉट फाउंड सूटेबलह्ल जैसे गैरकानूनी फार्मूले को अब अदालत में चुनौती देने का समय आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया, दरअसल भाजपा के एजेंडे में नौकरी है ही नहीं और पीडीए समाज के लिए तो बिल्कुल भी नहीं है। भाजपा जाए तो नौकरी-भर्ती आए।

कुलदीप सेंगर को जमानत पर राहुल गांधी का तीखा हमला कहा

पीड़िता के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार दुखद

नयी दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उन्नाव सामूहिक दुष्कर्म मामले में भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर को जमानत मिलने और पीड़िता का विरोध करने पर उसके साथ हुए व्यवहार पर हैरानी जताई और कहा कि न्याय देने की बजाय उसके साथ अन्याय किया जा रहा है। राहुल गांधी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में सवाल किया कि आखिर न्याय के लिए आवाज उठा रही दुष्कर्म पीड़िता के साथ अन्याय क्यों हो रहा है। उनका कहना था कि लोकतंत्र में सबको विरोध करने का हक है और यदि पुलिस विरोध करने वाले के साथ इस तरह का व्यवहार करती है तो यह अन्याय है। उन्होंने सवाल किया कि क्या एक गैंगरेप पीड़िता के साथ

ऐसा व्यवहार उचित है। क्या उसकी श्गलतीश ये है कि वो न्याय के लिए अपनी आवाज उठाने की हिम्मत कर रही है। उसके अपराधी (पूर्व भाजपा विधायक) को जमानत मिलना बेहद निराशाजनक और शर्मनाक है - खासकर तब, जब पीड़िता को बार-बार प्रताड़ित किया जा रहा हो, और वो डर के साए में जी रही हो। बलात्कारियों को जमानत और पीड़िताओं के साथ अपराधियों सा व्यवहार-ये कैसा न्याय है। राहुल गांधी ने कहा हम सिर्फ एक मृत अर्थव्यवस्था ही नहीं है बल्कि ऐसी अमानवीय घटनाओं के साथ हम एक मृत समाज भी बनते जा रहे हैं। लोकतंत्र में असहमति की आवाज उठाना अधिकार है और उसे दबाना अपराध। पीड़िता को सम्मान, सुरक्षा और न्याय मिलना चाहिए -न कि बेबसी, भय और अन्याय।

अवकाश

क्रिसमस के शुभ अवसर पर प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक 27 दिसम्बर को प्रकाशित होगा।

-व्यवस्थापक

कबड्डी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुये अध्यक्ष, नरसा अभय कुमार गुप्ता साथ में महासचिव, नरसा पंकज कुमार सिंह

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के तत्त्वावधान में 24 से 28 दिसम्बर, 2025 तक सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में आयोजित 73वीं अखिल भारतीय रेलवे (पुरुष) कबड्डी चैम्पियनशिप-2025 में 24 दिसम्बर, 2025 को मुख्य अतिथि मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष, नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता ने चैम्पियनशिप का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आई.सी.एफ.), उत्तर रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, रेलवे बोर्ड, दक्षिण पूर्व रेलवे, पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे, मध्य रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे, रेल पहिया कारखाना (आर.डब्ल्यू.एफ.), रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.), पटियाला रेल इंजन कारखाना (पी.एल.डब्ल्यू.), उत्तर मध्य रेलवे तथा मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे की टीमों के खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट किया। प्रतियोगिता के आरम्भ में मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे एवं पटियाला रेल इंजन कारखाना (पी.एल.डब्ल्यू.) के मध्य खेले गये मैच में पूर्वोत्तर रेलवे ने एकतरफा जीत हासिल करते हुये पी.एल.डब्ल्यू. को 23-09 से पराजित किया, जिसमें पूर्वोत्तर रेलवे के कप्तान सुनील कुमार तथा प्रवेश, रोहित, आकाश, आशीष एवं सुरेन्द्र ने उच्च कोटि के खेल का प्रदर्शन किया। इस चैम्पियनशिप में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित तथा राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अनेक कबड्डी खिलाड़ी विभिन्न क्षेत्रीय रेलों एवं उत्पादन इकाइयों की टीमों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जिसमें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित उत्तर रेलवे के श्री संजीव कुमार, पूर्व रेलवे के श्री विश्वजीत पालित एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे की श्रीमती तेजस्वनी बाई सम्मिलित हैं। साथ ही चीन में हुये एशियन खेलों में पूर्वोत्तर रेलवे के सुनील एवं प्रवेश, उत्तर रेलवे के नितिन रावल तथा दक्षिण पूर्व रेलवे के नितेश प्रतिभाग कर चुके हैं। मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष, नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता ने खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि 73वीं अखिल भारतीय रेलवे (पुरुष) कबड्डी चैम्पियनशिप 2025-26 का आयोजन पूर्वोत्तर रेलवे के लिये गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि चैम्पियनशिप के लिये टीम नरसा ने अथक परिश्रम कर तैयारियाँ पूरी की हैं, जिससे इस चैम्पियनशिप को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया जा सके। श्री गुप्ता ने आशा व्यक्त की कि प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ी खेल भावना का प्रदर्शन करते हुये अपने जौहर का प्रदर्शन करेंगे। अध्यक्ष, नरसा ने कहा कि गोरखपुर में अखिल भारतीय रेलवे कबड्डी चैम्पियनशिप के आयोजन से पूर्वांचल के युवा एवं उदीयमान खिलाड़ियों को कबड्डी के नये गुर को सीखने का अवसर मिलेगा तथा कबड्डी प्रेमियों का भरपूर मनोरंजन होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से देश के कोने-कोने से आये खिलाड़ी एक-दूसरे की संस्कृति से अवगत होते हैं और बहुत कुछ सीखते हैं। पूर्वोत्तर रेलवे परिवार की आप सभी से अपेक्षा है कि भविष्य में अपने कठिन अभ्यास एवं प्रशिक्षण से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर हम सभी को गौरवान्वित करेंगे। इसके उपरान्त श्री अभय कुमार गुप्ता ने चैम्पियनशिप के शुभारम्भ की घोषणा की। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एवं महासचिव, नरसा श्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रतियोगिता में क्षेत्रीय रेलों एवं उत्पादन इकाइयों की 17 टीमें भाग ले रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में खिलाड़ी खेल भावना का प्रदर्शन करें तथा खेल नियमों एवं अनुशासन का पालन करें। महासचिव, नरसा ने कहा कि इस प्रतियोगिता से गोरखपुर एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों को इसका लाभ मिलेगा तथा अन्य लोग भी खेल के प्रति आकर्षित होंगे। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय एवं अर्जुन पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

उत्तर रेलवे ने हिमाचल प्रदेश के धरमपुर में 373वां मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया

नई दिल्ली, : उत्तर रेलवे के सीनियर सुपरवाइजरों के लिए मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम (MDP) 28 अगस्त 1985 को शुरू किया गया था।

यह भारतीय रेलवे में मानव संसाधन विकास का एक जरूरी हिस्सा है; इसका मकसद सुपरवाइजरों के मैनेजेरियल स्किल्स को इस तरह से विकसित करना है कि वे अपने-अपने स्तर पर मैनेजमेंट के तरीकों में सकारात्मक बदलाव ला सकें और साथ ही मैनपावर प्रोडक्टिविटी बढ़ाने में भी योगदान दे सकें। ये प्रोग्राम हर साल नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। शुरू से अब तक, 373 टञ्ढ कोर्स आयोजित किए जा चुके हैं और उत्तर रेलवे के सभी विभागों के 14534 सुपरवाइजरों को अब तक प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसी कड़ी में, 373वां टञ्ढ 15.12.2025 से 19.12.2025 तक हिमाचल प्रदेश के धरमपुर में रेलवे सेफ्टी कैंप परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें सभी डिवीजनों/विभागों के 42 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। पर्यावरण प्रबंधन, व्यक्तिगत प्रबंधन, नेतृत्व, अनुशासन और अपील नियम, स्थापना नियम, समय प्रबंधन आदि जैसे विभिन्न विषयों को शामिल किया गया, जिनकी प्रतिभागियों ने बहुत सराहना की। कार्यक्रम के दौरान रेलवे से संबंधित विषयों पर एक क्विज प्रतियोगिता सहित विभिन्न इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किए गए। उत्तर रेलवे के सीनियर डिप्टी जनरल मैनेजर, श्री अरविंद नौटियाल ने समापन सत्र की अध्यक्षता की और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

बरुआचक से 03.15 बजे छूटकर गोंडा 03.30 बजे पहुँचेगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा मकर संक्राति एवं माघ मेला को ध्यान में रखते हुए मेला में आने वाले श्रद्धालु रेल यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा हेतु 05078/05077 गोंडा-अयोध्या धाम जं.-गोंडा अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी का संचलन गोंडा से 13 से 22 जनवरी, 2026 तक प्रतिदिन (16 जनवरी, 2026 को छोड़कर) तथा अयोध्या धाम जं. से 14 से 23 जनवरी, 2026 तक प्रतिदिन (17 जनवरी, 2026 को छोड़कर) 09 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05078 गोंडा-अयोध्या धाम जं. अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी 13 से 22 जनवरी, 2026 तक (16 जनवरी, 2026 को छोड़कर) गोंडा से 21.40 बजे प्रस्थान कर बरुआचक से 21.52 बजे, मोतीगंज से 22.01 बजे, झिलाही से 22.10 बजे, मनकापुर से 22.40 बजे, टिकरी से 22.55 बजे, नवाबगंज से 23.05 बजे, कटरा से 23.16 बजे तथा रामघाट हाल्ट से 23.27 बजे छूटकर अयोध्या धाम जं. 23.50 बजे पहुँचेगी। 05077 अयोध्या धाम जं.-गोंडा अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी 14 से 23 जनवरी, 2026 तक (17 जनवरी, 2026 को छोड़कर) अयोध्या धाम जं. से 00.45 बजे प्रस्थान कर रामघाट हाल्ट से 00.56 बजे, कटरा से 01.06 बजे, नवाबगंज से 01.17 बजे, टिकरी से 01.27 बजे, मनकापुर से 02.45 बजे, झिलाही से 02.55 बजे, मोतीगंज से 03.04 बजे तथा बरुआचक से 03.15 बजे छूटकर गोंडा 03.30 बजे पहुँचेगी।यह गाड़ी डेमू रेक से चलाई जायेगी।

इस गाड़ी का संचलन 08 कोच के डेमू रेक से किया जायेगा

गोरखपुर,: मकर संक्राति के अवसर पर गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में लगने वाले खिचड़ी मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु 05016/05015 नौतनवा-गोरखपुर-नौतनवा अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी का संचलन नौतनवा से 13 से 22 जनवरी, 2026 तक तथा गोरखपुर से 14 से 23 जनवरी, 2026 तक 10 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05016 नौतनवा-गोरखपुर अनारक्षित मेला विषेष गाड़ी 13 से 22 जनवरी, 2026 तक नौतनवा से 20.50 बजे प्रस्थान कर बरवाकलां हाल्ट से 20.59 बजे, नईकोट से 21.05 बजे, भागीरथपुर से 21.11 बजे, लक्ष्मीपुर से 21.22 बजे, झामट से 21.36 बजे, पुरन्दरपुर से 21.41 बजे, लोक विद्यापीठ नगर से 21.48 बजे, आनन्दनगर से 22.30 बजे, लोहरपुरवा से 22.36 बजे, कैम्पियरगंज से 23.05 बजे, रामचौरा हाल्ट से 23.18 बजे, महावनखोर हाल्ट से 23.23 बजे, रावतगंज से 23.28 बजे, पीपीगंज से 23.35 बजे, कौडिया जंगल से 23.43 बजे तथा मानीराम से 23.52 बजे छूटकर दूसरे दिन गोरखपुर 00.15 बजे पहुँचेगी। पसी यात्रा में 05015 गोरखपुर-नौतनवा अनारक्षित मेला विषेष गाड़ी 14 से 23 जनवरी, 2026 तक गोरखपुर से 02.30 बजे प्रस्थान कर नकहा जंगल से 02.47 बजे, मानीराम से 02.56 बजे, कौड़िया जंगल से 03.03 बजे, पीपीगंज से 03.11 बजे, रावतगंज से 03.16 बजे, महावनखोर हाल्ट से 03.21 बजे, रामचौरा हाल्ट से 03.26 बजे, कैम्पियरगंज से 03.35 बजे, लोहरपुरवा से 03.42 बजे, आनन्दनगर से 03.50 बजे, लोक विद्यापीठ नगर से 03.58 बजे, पुरन्दरपुर से 04.04 बजे, झामट से 04.09 बजे, लक्ष्मीपुर से 04.18 बजे, भागीरथपुर से 04.25 बजे, नईकोट से 04.31 बजे तथा बरवाकलां हाल्ट से 04.37 बजे छूटकर नौतनवा 05.15 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी का संचलन 08 कोच के डेमू रेक से किया जायेगा।

कैबिनेट ने दिल्ली मेट्रो की फेज v (A) परियोजना के हिस्से के रूप में तीन नए कॉरिडोर को मंजूरी दी

गोरखपुर,: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली मेट्रो के फेज-श (ए) परियोजना के हिस्से के रूप में तीन नए कॉरिडोर को मंजूरी दी हैः 1. आर.के. आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ (9.913 किमी), 2. एरोसिटी से आई.जी.डी. एयरपोर्ट टी-1 (2.263 किमी) और 3. तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज (3.9 किमी)। यह 16.076 किलोमीटर लंबी परियोजना राष्ट्रीय राजधानी के भीतर कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाएगी। दिल्ली मेट्रो के फेज-श (ए) की कुल लागत 12014.91 करोड़ रुपये है, जिसे भारत सरकार, दिल्ली सरकार और अंतरराष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा।

सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर सभी कर्तव्य भवनों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिससे इस क्षेत्र के कार्यालय जाने वालों और आगंतुकों को सीधे ऑफिस तक पहुंचने में आसानी होगी। इस कनेक्टिविटी से दैनिक आधार पर लगभग 60,000 कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों और 2 लाख आगंतुकों को लाभ होगा। ये कॉरिडोर प्रदूषण और जीवाश्म ईंधन के उपयोग को और कम करेंगे, जिससे जीवन जीने की सुगमता में वृद्धि होगी।

विवरणः

आर.के. आश्रम मार्ग झ इंद्रप्रस्थ सेक्शन, बॉटनिकल गार्डन - आर.के. आश्रम मार्ग कॉरिडोर का विस्तार होगा। यह सेंट्रल विस्टा क्षेत्र को मेट्रो कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिसका वर्तमान में पुनर्विकास किया जा रहा है। एयरोसिटी झ आईजीडी एयरपोर्ट टर्मिनल 1 और तुगलकाबाद झ कालिंदी कुंज सेक्शन, एरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर का विस्तार होंगे। यह विस्तार हवाई अड्डे की कनेक्टिविटी को राष्ट्रीय राजधानी के दक्षिणी हिस्सों जैसे तुगलकाबाद, साकेत,

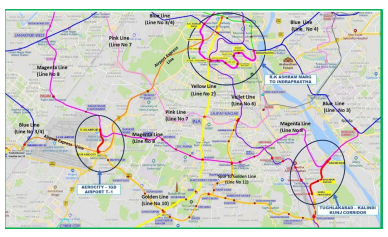

कालिंदी कुंज आदि क्षेत्रों के साथ मजबूत करेगा। इन विस्तारों में कुल 13 स्टेशन शामिल होंगे, जिनमें से 10 स्टेशन भूमिगत और 03 स्टेशन एलिवेटेड होंगे। पूरा होने के बाद, कॉरिडोर-1 यानी आर.के. आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ (9.913 किमी) पश्चिमी, उत्तरी और पुरानी दिल्ली की सेंट्रल दिल्ली के साथ कनेक्टिविटी में सुधार करेगा। वहीं अन्य दो कॉरिडोर– एयरोसिटी से आईजीडी एयरपोर्ट टी-1 (2.263 किमी) और तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज (3.9 किमी)– दक्षिण दिल्ली को साकेत, छतरपुर आदि के माध्यम से घरेलू हवाई अड्डे टर्मिनल-1 से जोड़ेंगे, जिससे राष्ट्रीय राजधानी के भीतर कनेक्टिविटी में जबरदस्त वृद्धि होगी। फेज-श (ए) परियोजना के ये मेट्रो विस्तार मध्य दिल्ली और घरेलू हवाई अड्डे तक दिल्ली मेट्रो नेटवर्क की पहुंच बढ़ाएंगे, जिससे अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी। मजेंटा लाइन और गोल्डन लाइन के ये विस्तार सड़कों पर भीड़भाड़ को कम करेंगे। इस प्रकार, मोटर वाहनों के कारण होने वाले प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी। आरके आश्रम मार्ग - इंद्रप्रस्थ सेक्शन पर जो स्टेशन बनेंगे, वे हैं: आर.के. आश्रम मार्ग, शिवाजी स्टेडियम, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट, कर्तव्य भवन, इंडिया गेट, वॉर मेमोरियल - हाई कोर्ट, बड़ौदा हाउस, भारत मंडपम, और इंद्रप्रस्थ। तुगलकाबाद झ कालिंदी कुंज सेक्शन के स्टेशन सरिता विहार डिपो, मदनपुर खादर और कालिंदी कुंज होंगे, जबकि एयरोसिटी स्टेशन को आगे आईजीडी टी-1 स्टेशन से जोड़ा जाएगा। फेज-क्स का निर्माण कार्य, जिसमें 111 किमी लंबाई और 83 स्टेशन शामिल हैं, वर्तमान में प्रगति पर है। आज की स्थिति के अनुसार, फेज-क्स के (3 प्राथमिकता वाले) कॉरिडोर का लगभग 80.43 प्रतिशत सिविल निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। फेज-क्स के इन तीनों प्राथमिकता वाले कॉरिडोर के दिसंबर 2026 तक चरणों में पूरा होने की संभावना है। आज, दिल्ली मेट्रो प्रतिदिन औसतन 65 लाख यात्रियों को सर्विस देती है। अब तक की सर्वाधिक यात्रा का रिकॉर्ड 8 अगस्त 2025 को 81.87 लाख दर्ज किया गया है। दिल्ली मेट्रो समयपालन, विश्वसनीयता और सुरक्षा जैसे एमआरटीएस के मुख्य मानकों में उत्कृष्टता का प्रतीक बनकर शहर की जीवनरेखा बन गई है। वर्तमान में दिल्ली और एनसीआर में डीएमआरसी द्वारा लगभग 395 किमी लंबाई वाली कुल 12 मेट्रो लाइनों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें 289 स्टेशन शामिल हैं। आज, दिल्ली मेट्रो भारत का सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क है और दुनिया के सबसे बड़े मेट्रो नेटवर्कों में से भी एक है।

100 साल का हुआ कानपुर का तिलकनगर मोतीलाल नेहरू ने रखा था आधार

कानपुर। कानपुर का तिलकनगर 100 साल का हो गया है। 1925 में मोतीलाल नेहरू ने कांग्रेस अधिवेशन के लिए इसका नामकरण किया था, जहां गांधीजी ने स्वदेशी का शंखनाद किया था। कानपुर शहर के पॉश मोहल्लों में शुमार तिलकनगर 25 अक्तूबर को 100 साल का हो गया। ग्वालटोली और नवाबगंज के बीच स्थित म्यूनिसिपल मैदान को 1925 में 23 दिसंबर से 29 दिसंबर तक होने वाले कांग्रेस के 44वें राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए चुना गया था। इसी मैदान पर अधिवेशन के विभिन्न पंडालों के अस्थायी निर्माण का शिलान्यास 25 अक्तूबर 1925 को पंडित मोतीलाल नेहरू ने किया। उन्होंने ही पंडालों की इस अस्थायी बसावट को बाल गंगाधर तिलक के सम्मान में तिलकनगर नाम दिया। वर्तमान में बंगलों, चौड़ी सड़कों और नामी हस्तियों का रिहाइशी क्षेत्र तिलकनगर पहले कृषि भूमि था। कानपुर कांग्रेस गाइड (1925) के मुताबिक यह भूमि ग्वालटोली और नवाबगंज के बीच स्थित थी। त्रिभुजाकार भूमि दक्षिण दिशा में बिठूर रोड और उत्तर में पुराना कानपुर रोड के बीच दोनों सड़कों से मिली हुई थी। यही दोनों सड़कें कंपनी बाग के पास मिलकर इसकी पश्चिमी हद को समाप्त करती थीं। खलासी लाइन के पश्चिम वाली सड़क पुराना कानपुर रोड तथा बिठूर रोड को मिलाती है। वह इस जमीन के पूर्व में थी। वर्तमान में यह हिस्सा एलनगंज और वीआईपी रोड के बीच स्थित है। वार्षिक अधिवेशन 23 दिसंबर से 29 दिसंबर 1925 तक चला कानपुर इतिहास समिति के महासचिव अनूप कुमार शुक्ल ने बताया कि 1920 के दशक में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन जोर पकड़ रहा था और कांग्रेस अधिवेशन राष्ट्रीय नेताओं के लिए अपने विचारों को साझा करने का एक मंच बन गया। शहर के म्यूनिसिपल मैदान में कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन 23 दिसंबर से 29 दिसंबर 1925 तक चला। अधिवेशन में महात्मा गांधी, पंडित मोतीलाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, सुभाष चंद्र बोस, जवाहरलाल नेहरू जैसे प्रमुख नेताओं ने भाग लिया। कपड़ों का पूरा बहिष्कार कर दें अधिवेशन का मुख्य एजेंडा स्वराज और राष्ट्रीय एकता था। 24 दिसंबर को स्वदेशी प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए गांधी जी ने कहा था कि मैं केवल खद्दर ही का स्वप्न देखा करता हूं। मैंने प्रदर्शनी खोलने की जिम्मेदारी उसी समय ली जब जवाहरलाल जी ने मुझसे इस बात का विश्वास दिला दिया कि इस प्रदर्शनी में कोई भी विदेशी चीज नहीं रखी जाएगी। आज भी मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि यदि आप सब विदेशी तथा देशी मिलों के कपड़ों का पूरा बहिष्कार कर दें, तो एक वर्ष से कम समय में ही हमें स्वराज्य मिल सकता है। इसी अधिवेशन में चुनी गईं पहली भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष शुक्ल के मुताबिक, यह अधिवेशन महिला सशक्तीकरण की दिशा में भी अहम साबित हुआ।

आयकर भरने वाली महिलाएं ले रहीं 1000 रुपये विधवा पेंशन

कानपुर। कानपुर मंडल में केवाईसी सत्यापन के दौरान 3,392 ऐसी विधवाएं मिलीं हैं, जो इनकम टैक्स भरने के साथ ही सरकारी पेंशन ले रही हैं। निदेशालय ने इन सभी अपात्रों का नाम सूची से हटाने के निर्देश दिए हैं। केस वन- कृष्णा बिहार की रहने वाली सुमन देवी इनकम टैक्स भरने के साथ ही विधवा पेंशन का लाभ भी ले रही हैं। कानपुर में गरीब और बेसहारा विधवा महिलाओं के लिए शुरू की गई पेंशन योजना में फैमिली आईडी और केवाईसी सत्यापन के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। मंडल की 3,392 विधवा महिलाएं इनकम टैक्स देने के साथ ही विधवा पेंशन का लाभ उठा रही हैं। इसमें कानपुर की 1818 महिलाएं हैं। मामला उजागर होने के बाद महिला कल्याण निदेशालय ने मंडल के सभी जिलों के जिला प्रोबेशन अधिकारियों (डीपीओ) को लाभार्थियों की सूची भेजकर तत्काल सत्यापन के निर्देश दिए हैं। गरीब विधवा महिलाओं को आर्थिक सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रोबेशन विभाग की ओर से प्रत्येक पात्र लाभार्थी को 1000 रुपये प्रति माह, यानी हर तिमाही 3000 रुपये की सहायता राशि सीधे खाते में दी जाती है। कानपुर जिले में 68 हजार से अधिक विधवाएं इस योजना का लाभ ले रही हैं। बीते डेढ़ साल से योजना से जुड़े सभी लाभार्थियों का केवाईसी अपडेट और फैमिली आईडी जनरेशन का कार्य चल रहा है। इसी प्रक्रिया में प्रदेश भर में खेल पकड़ में आया। जांच में सामने आया कि प्रदेश में कुल 44,227 महिलाएं ऐसी हैं जो इनकम टैक्स भरने के साथ ही विधवा पेंशन ले रही हैं। तहसील और ब्लॉक स्तर पर भेज दी है सूची मंडल भर के जिलों की बात करें तो स्थिति और भी चौंकाने वाली है। यहां 3,392 विधवा महिलाएं इनकम टैक्सदाता होने के साथ सरकारी पेंशन ले रही हैं। मंडल में सबसे अधिक कानपुर की 1881 विधवा महिलाएं इनकम टैक्स भरते हुए भी पेंशन का लाभ लेते मिलीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला कल्याण निदेशालय ने मंडल के सभी जिलों के डीपीओ को पत्र जारी कर लाभार्थियों के गहन सत्यापन के निर्देश दिए हैं। सत्यापन में अपात्र पाए जाने पर संबंधित महिला का नाम पेंशन सूची से हटाया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ रवाना हुई 50 बसें

बस्ती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 दिसंबर को लखनऊ में आयोजित प्रेरणा स्थल के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए जिले से 50 रोडवेज बसें मंगलवार को भेज दी गईं। एआरएम की अगुवाई में चार्टर व्यवस्था में शामिल बसों को लखनऊ के लिए क्रमवार रवाना किया गया। बताया गया कि लखनऊ पीएम मोदी के कार्यक्रम के लिए रोडवेज की 50 बसों की मांग हुई थी। 25 दिसंबर के कार्यक्रम के लिए बसें सुबह नौ बजे क्रमवार रवाना की गईं। बताया गया कि वहां कार्यक्रम के समापन के बाद कार्यकताओं को उनके जिले तक पहुंचाने के बाद ही डिपो में बसों की वापसी होगी। वहीं 50 बसों के जाने से आम यात्रियों के सामने कई रूट पर संकट बढ़ा है। हालांकि एआरएम बस्ती डिपो आयुष भटनागर ने बताया कि अतिरिक्त बसें लगा दी गई हैं ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो।

बेटियों के हाथ पीले करने के लिए मिले 2.83 करोड़

बस्ती। आर्थिक दृष्टि से कमजोर पिता को बेटी के विवाह में सहायता के लिए सरकार से शादी अनुदान योजना का लाभ मिलता है। चालू वित्तीय साल में पिछड़ा वर्ग के आवेदकों की बेटियों के हाथ पीला करने के लिए शासन से 2.83 करोड़ रुपये का बजट मिला है। जिसे पात्र आवेदकों के खातों में धनराशि भेज दी गई है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अनुमोदन पर 1417 आवेदकों के खातों में दो करोड़ 83 लाख 20 हजार रुपये स्थानांतरित किए गए हैं। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को बेटी के ब्याह के लिए सरकार शादी अनुदान योजना का लाभ देती है। शादी अनुदान योजना के तहत आवेदक के खाते में 20 हजार रुपये सरकार की ओर से दिए जाते हैं। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने चालू वित्तीय वर्ष के अंतर्गत पिछड़ा वर्ग के करीब दो हजार से अधिक आवेदन आए हैं। इसमें से पहले चरण में 1417 आवेदकों को लाभांवित करने के लिए जिलाधिकारी ने अनुमोदन दिया था और विभाग ने उनके खाते में धनराशि भेज दी है। बताया गया कि आवेदकों के खातों में धनराशि का स्थानांतरण कर दिया है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रेखा गुप्ता ने बताया कि पहले चरण में जितना लक्ष्य प्राप्त हुआ था, उसके अनुसार प्राप्त बजट से पात्र आवेदकों के खाते में धनराशि भेज दी गई है।

डॉक्टर पर लव जिहाद को बढ़ावा देने का आरोप

बस्ती। जिला महिला अस्पताल में तैनात एक महिला चिकित्सक पर लव जिहाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है। इसकी पुष्टी संवाद न्यूज एजेंसी नहीं करता। इसको लेकर हिंदूवादी संगठनों में भी रोष है। वीडियो में एक व्यक्ति महिला चिकित्सक से लव जिहाद को बढ़ावा देने पर उनसे सवाल पूछते सुनाई दे रहा है। चिकित्सक अस्पताल के एक कक्ष की तरफ जाते दिख रही हैं। मंगलवार को सोशल मीडिया पर वीडियो प्रसारित होते ही चर्चा का विषय बन गया है। वीडियो में एक व्यक्ति चिकित्सक से सवाल करता सुनाई दे रहा है कि लड़का विशेष समुदाय से है तो क्या हुआ यह कहकर आप विशेष समुदाय के लोगों का काउंसलिंग करा रही हैं क्या। उन लोगों की एजेंट है क्या। लड़का विशेष समुदाय का है तो क्या हुआ लड़की को समझा रही हैं। जवाब दिजिए मैडम। वीडियो में एक महिला बोल रही है कि चिकित्सक ने कहा कि वो लड़का इंसान नहीं है क्या।

मास्टरमाइंड शुभम से जुड़ रहे गणपति फार्मा के तार

बस्ती। कोडीनयुक्त कफ सिरप की सप्लाई में अहम भूमिका निभाने वाली बोगस फर्म गणपति फार्मा के संचालक के बारे में एसआईटी को अहम सुराग मिले हैं। बताया जा रहा है उसकी पृष्ठभूमि बनारस से जुड़ी हुई है। पुलिस उसे मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के सिंडिकेट का अहम हिस्सा मानकर जांच कर रही है। बोगस फर्म संचालित करने वाले मास्टरमाइंड की बस्ती से बनारस तक तलाश की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि बोगस फर्म संचालक के गिरफ्त में आने के बाद उससे जुड़े और लोगों के चेहरे से भी नकाब हट जाएगा। जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि कोडीनयुक्त सिरप की तस्करी के मुख्य आरोपी वाराणसी के शुभम जायसवाल के सिंडिकेट से बस्ती के धंधेबाजों के भी तार जुड़े हुए है। एसआईटी की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है तस्करी के नेटवर्क में शामिल लोगों की धड़कनें बढ़तीं जा रहीं हैं। बस्ती की जिन चार फर्मों ने गणपति फार्मा को 1.72 लाख शीशी सिरप की आपूर्ति की है उनकी पहचान पहले ही हो चुकी है। इसमें हर्ष मेडिसिन जिला अस्पताल, आईडियल एजेंसी गांधीनगर, संस फार्मा जिला अस्पताल और एस फार्मा खीरीघाट शामिल हैं।

रोडवेज कर्मचारियों ने एआरएम को सौंपा ज्ञापन

बस्ती। रोडवेज बस्ती डिपो परिसर में एक व्यक्ति की ओर से मंगलवार को संविदा चालक को धमकाने का मामला सामने आया है। इससे नाराज साथी कर्मचारियों ने एआरएम को ज्ञापन दिया और कार्रवाई की मांग की। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के शाखा मंत्री इंद्रजीत तिवारी ने एआरएम को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि संविदा चालक दिपांकर तिवारी कार्यरत हैं। मंगलवार को दोपहर में एक युवक परिसर में घुसकर चालक से अभद्रता की और धमकाने लगा। धमकी की आवाज सुनकर आसपास के कर्मी भी एकत्र हुए, इसी बीच वह चालक को जान से मार देने की धमकी देकर भाग निकला। कर्मचारियों ने ज्ञापन देकर एआरएम से उचित कार्रवाई की मांग की है।

नगर बाजार पहुंची डीएम, रैनबसेरा का किया निरीक्षण

नगर बाजार। भीषण ठंड को डीएम कृत्तिका ज्योत्सना नगर पंचायत नगर बाजार पहुंची। उन्होंने यहां बनाए गए रैनबसेरा का निरीक्षण किया। यहां पुरुष और महिला के ठहरने के लिए अलग- अलग व्यवस्था की गई है। यह देखकर डीएम ने संतोष व्यक्त किया। रैन बसेरे में मौजूद निराश्रितों एवं जरूरतमंदों से मिलने वाली सुविधाओं के बारे में पूछताछ भी की। सफाई, पेयजल, शौचालय, बिजली, प्रकाश व्यवस्था, कंबल, गद्दे आदि की उपलब्धता का जायजा लिया। ठंड से बचाव के लिए पर्याप्त कंबल की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर उन्होंने जोर दिया। नगर पंचायत के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमित रूप से रैन बसेरों का निरीक्षण करें। किसी भी निराश्रित को ठंड से कठिनाई न होने पाए।

कोहरा प्रभावित और दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों में पेट्रोलिंग के निर्देश

बस्ती। डीएम कृत्तिका ज्योत्सना ने भीषण ठंड को देखते हुए सड़क सुरक्षा समिति से जुड़े विभागों को निर्देशित किया है कि कोहरा प्रभावित कॉरिडोर और दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों में पेट्रोलिंग बढ़ा दिया जाए। उन्होंने जनमानस की सुरक्षा, जनहानि को रोकने के उद्देश्य से परियोजना निदेशक, एनएचएआई/एआरटीओ परिवहन विभाग/यातायात प्रभारी/ एक्सईएन लोक निर्माण विभाग सक्रिय रहते हुए हाईवे एवं जिला स्तरीय मार्गों पर कॉबिंग करें। जहां ब्लैक स्पॉट या अंधे मोड़ हो वहां रेडियम रेफलेक्टर एवं साइन बोर्ड आदि लगवाकर सड़क सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया जाए। एंबुलेंस, क्रेन, एवं फायर टेंडर की व्यवस्था उचित स्थानों पर सुनिश्चित की जाए।

इंग्लैंड की मुश्किलें बढ़ीं तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर एशेज सीरीज के बाकी बचे दो मैच से बाहर

मेलबर्न। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट शुक्रवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में शुरू होगा जबकि पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच चार जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। इंग्लैंड के गेंदबाज जोफ्रा आर्चर मांसपेशियों में खिंचाव के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बाकी बचे दो एशेज टेस्ट मैचों में नहीं खेल पाएंगे। टीम के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। इससे इंग्लैंड की मैदान और मैदान से इतर की समस्याएं और बढ़ गई हैं। इसमें उसके सलामी बल्लेबाज बेन डकेट पर नशे में धुत होकर रास्ता भटकने का आरोप भी शामिल हैं। 30 वर्षीय आर्चर पिछले चार वर्षों से पीठ और दाहिनी कोहनी में स्ट्रेस फ्रैक्चर सहित कई तरह की फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्होंने भारत के खिलाफ लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी की और उसके बाद वह शानदार फॉर्म में थे।

दिल्ली से आगरा तक कोहरा, कम हुई दृश्यता, उत्कल 11 घंटे लेट

■ ग्वालियर

दिल्ली में घना कोहरा होने से भोपाल की तरफ जाने वाली ट्रेनों के लेट होने का सिलसिला जा रही है। सचखंड एक्सप्रेस, पातालकोट, वंदेभारत ट्रेन 5 से 10 घंटे देरी से चल रही हैं।

मंगवार को सुबह आने वाली उत्कल एक्सप्रेस शाम को 11 घंटे देरी से ग्वालियर आई। इसी तरह मदुरई से चंडीगढ़ जाने वाली ट्रेन 7 घंटे 25 मिनट की देरी से ग्वालियर आई। हालत यह है कि आगरा से ग्वालियर पहुंचने में तीन से चार घंटे लग रहे है। ऐसे में प्लेटफॉर्म पर यात्री ट्रेनों का इंतजार कर रहे है। दिल्ली से आगरा तक सुबह तकरीबन तीन घंटे तक शहर में घना कोहरा छाया रहा। इस दौरान दृश्यता (विजिबिलिटी) सुबह महज 10 मीटर थी। दोपहर बाद विजिबिलिटी धीरे-धीरे बढ़ती गई।

दिल्ली से ये ट्रेनें आईं देरी से

उत्कल एक्सप्रेस	5 :5 घंटे
झेलम एक्सप्रेस	2 :22 घंटे
सचखंड एक्सप्रेस	4 :43 घंटे
श्रीधाम एक्सप्रेस	2 :06 घंटे
शताब्दी एक्सप्रेस	2 :48 घंटे
गतिमान एक्सप्रेस	2 : 4 घंटे
पातालकोट	2 :53 घंटे
केरला एक्सप्रेस	4 :01 घंटे
राजधानी एक्सप्रेस	1 :47 घंटे
दूरंतो एक्सप्रेस	8 :28 घंटे
वंदे भारत	3 :50 घंटे
पंजाब-मेल	4 :22

झांसी से ये ट्रेने आईं लेट

शताब्दी एक्सप्रेस	1 :56 घंटे
जबलपुर-कटरा	3 : 56 घंटे
वंदे भारत खजुराहो	2 :03 घंटे
उत्कल एक्सप्रेस	11 :58 मिनट

सूरज चमका तो 20 से 27 पर पहुंचा अधिकतम पारा

पिछले पांच दिन से कोहरा और शीतलहर की वजह से सर्दी का प्रकोप बढ़ गया था, लेकिन मंगलवार को निकली चटक धूप से दिन में ठंड से काफी राहत रही। आज दिन के तापमान में जहां सात डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई तो वहीं रात के तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है।पिछले पांच दिन से अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम दर्ज किया जा रहा था। सोमवार को भी अधिकतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस पर था, लेकिन मंगलवार को मौसम शुष्क रहने से जब सूरज पूरे वेग से चमका तो अधिकतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 27.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया जो सामान्य से 4.9 डिग्री सेल्सियस

अधिक है जबकि न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस गिरावट के साथ 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम विज्ञान केन्द्र भोपाल के अनुसार फिलहाल मौसम सामान्यतः शुष्क रहेगा। हालांकि देर रात से अल सुबह तक हल्के से मध्यम कोहरा पड़ सकता है, लेकिन दिन में मौसम साफ रहने से धूप सर्दी से राहत पहुंचाएगी। हालांकि सुबह-शाम और रात में अब सर्दी का असर बढ़ेगा। हवा का रुख उत्तरी होने से न्यूनतम तापमान में गिरावट होगी। बुधवार को न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है।

बाघ को ठंड से बचाने बाड़े में लगाया रूम हीटर

गांधी प्राणी उद्यान में वन्यजीवों को सर्दी से बचाने के विशेष इंतजाम किए गए हैं। बाघ, तेंदुओं और शेरों के लिए बाड़ों में हीटर लगाए गए हैं तो अजगरों को कंबल ओढ़ाया गया है। इतना ही नहीं, रहन-सहन के साथ ही उनका खानपान भी बदल गया है। सर्द तासीर वाले फल की जगह अब बादाम और अखरोट दिया जा रहा है।

चिड़ियाघर के पशु चिकित्सक डॉ. उपेन्द्र के मुताबिक, बाघ और शेर को गर्मी में दस किलोग्राम मीट दिया जाता है, पर बढ़ती सर्दी में उनकी खुराक बढ़ा दी गई है। अब नर को 12 किलो मीट और मादा को दस किलो मीट दिया जा रहा है। वहीं, तेंदुए को रोजाना चार किलो मीट दिया जाने लगा है।

साथ ही बाड़े को शीतलहर से बचाने के लिए पॉलीथिन और हरे कपड़े का कवर बनाया गया है। बाड़े में बैठने के लिए लकड़ी के पटरे बिछाए गए हैं जिससे तापमान नियंत्रित रहे। हिरण सफारी में बल्ब लगाने के साथ ही हिरण, चिंकारा, ईमू को गर्म रखने को गुड़ दिया जाने लगा है। इनके बाड़ों में पुआल बिछाया गया है।

इनका कहना है

चिड़ियाघर में करीब 550 पशु-पक्षी हैं। जानवरों को कड़ाके की सर्दी से बचाने के लिए इनके बाड़ों को एयरप्रूफ बनाया गया है। इसके अलावा बड़े हीटर 24 घंटे जलाए जा रहे हैं। इनके बाड़ों का तापमान 15 डिग्री के आसपास रखा जा रहा है। पक्षियों के बाड़ों को केनवास और घास से ढंका गया है। यहां 500- 500 वॉट के बल्ब जलाकर उन्हें गर्मी दी जा रही है।

गौरव परिहार, पशु-पक्षी विशेषज्ञ

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन आज

ग्वालियर। विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा बांग्लादेश में हिन्दू समाज पर हो रहे निरंतर अत्याचारों के खिलाफ 24 दिसंबर को दोपहर 3 बजे हजीरा चौराहा और महाराज बाड़ा पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। विश्व हिन्दू परिषद ग्वालियर विभाग मंत्री मुकेश गुप्ता ने आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि बांग्लादेश में मंदिरों का विध्वंस, जबरन धर्मांतरण एवं हिन्दू महिलाओं पर अमानवीय कृत्यों के विरुद्ध प्रदर्शन के दौरान प्रतीकात्मक जिहादी मानसिकता के पुतले का दहन किया जाएगा।

250 भाजपा नेताओं की होगी मुलाकात

ग्वालियर। भाजपा ने अपने प्रदेश और जिला स्तरीय नेताओं को श्री शाह से मिलाने की अलग-अलग व्यवस्थाएं की है। जिसके तहत हवाई अड्डे पर आगमन और विदाई के अलावा मेला मैदान में एक अलग से प्रतीक्षा कक्ष बनाया गया है, जिसमें उनके आने और जाने के दौरान लगभग 250 भाजपाजनों को मिलाने की व्यवस्था की गई है। सूची जानने और उसमें अपना नाम जुड़वाने के लिए तमाम भाजपा नेता प्रयास में लगे रहे।

अवैध डस्ट लेकर जा रहा डंपर जब्त

ग्वालियर। अवैध रूप से खनिज डस्ट ले जा रहे 22 चक्का डंपर को खनिज विभाग ने मंगलवार को पकड़ा। डंपर को थाने की अभिरक्षा में रखवाया गया है। सहायक खनिज अधिकारी रमाकांत तिवारी के निर्देशन में विभाग की टीम ने आज वाहनों की चेकिंग की। चेकिंग के दौरान डंपर क्रमांक आर जे 11 सीजी 6576 की जांच की तो पाया कि डंपर में अवैध रूप से बिना रॉयल्टी दिए डस्ट का परिवहन किया जा रहा है। डंपर को जब्त कर उसे थाने में रखवाया गया है।

माह की आठ तारीख तक वेतन नहीं दिया तो टेंडर होगा निरस्त

सीएमएचओ ने आउटसोर्स एजेंसी को दी चेतावनी

■ ग्वालियर

जिले की शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों को समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि आउटसोर्स कर्मचारियों को हर माह की आठ तारीख तक वेतन का भुगतान नहीं किया गया, तो संबंधित एजेंसी का टेंडर निरस्त कर दिया जाएगा। सीएमएचओ डॉ. श्रीवास्तव के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ आउटसोर्स कर्मचारियों से लगातार यह शिकायतें प्राप्त हो रही थीं कि उन्हें समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। कई बार कर्मचारियों को महीनों तक वेतन के लिए इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कर्मचारियों ने व्यक्तिगत रूप से भी सीएमएचओ कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्याएं दर्ज कराई थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमएचओ ने आउटसोर्स एजेंसी को निर्देश जारी करते हुए कहा कि वेतन भुगतान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय पर वेतन देना एजेंसी की जिम्मेदारी है और इसके लिए किसी भी प्रकार का बहाना स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मराठी काव्य गोष्ठी कल

ग्वालियर। मधुर मराठी मंच की मराठी काव्य गोष्ठी 25 दिसंबर गुरुवार को शाम चार बजे सूबे की गोठ मोरगांवकर के राम मंदिर में आयोजित की जाएगी। यह जानकारी कार्यक्रम संयोजक अशोक शिरढोणकर ने दी।

200 साल पुराना रास्ता खुलवाने जनसुनवाई में लगाई गुहार

भू-माफिया से परेशान किसानों ने मांगी इच्छा मृत्यु की अनुमति

■ ग्वालियर

हम देश के अन्नदाता हैं, लेकिन आज हमें इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगनी पड़ रही है। यह पीड़ा जिले के निरावली, बरौआ सहित आसपास के एक दर्जन से अधिक गांवों के किसानों की है, जो भू-माफिया के अवैध कब्जों से परेशान हैं। किसानों का आरोप है कि भू-माफिया द्वारा 200 साल पुराने आम रास्ते पर अवैध अतिक्रमण कर उसे पूरी तरह बंद कर दिया गया है, जिससे खेती-किसानी से जुड़ा सारा कामकाज ठप हो गया है।

मंगलवार को किसान भूपेंद्र सिंह रावत सहित अन्य किसान कलेक्टर जन सुनवाई में पहुंचे और प्रशासन से इच्छा मृत्यु की अनुमति की मांग की। किसानों के अनुसार निरावली मौजा बरौआ सहित आसपास के गांवों को मुख्य सड़क से जोड़ने वाला 20 फीट चौड़ा रास्ता मध्यप्रदेश भू-राजस्व

संहिता 1959 की धारा 131 के तहत वर्षों पहले निर्धारित किया गया था। इसी रास्ते से किसान अपनी कृषि भूमि तक पहुंचते हैं, लेकिन भू-माफिया देवेंद्र गुप्ता एवं उसके साथियों ने इस आम रास्ते पर कब्जा कर बाउंड्रीवॉल खड़ी कर दी, जिससे रास्ता पूरी तरह बंद हो गया।

किसानों ने बताया कि करीब छह माह पहले शिकायत पर प्रशासन ने जांच कर अतिक्रमण हटवाया था, लेकिन कुछ ही समय बाद माफिया ने दोबारा कब्जा कर लिया। विरोध करने पर किसानों को जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। रास्ता बंद होने से खेतों तक पहुंच नहीं हो पा रही, जिससे फसल उत्पादन और आजीविका दोनों प्रभावित हो रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए संयुक्त कलेक्टर सुरेश बरादिया ने किसानों की पीड़ा सुनने के बाद तत्काल संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को मौके पर जाकर जांच करने के निर्देश दिए।

पीएम आवास सुपुर्दगी विवाद : अपर आयुक्त ने फाइल डील की शिकायत पर लगाई फटकार

15 दिन में समधान का भरोसा

निगम मुख्यालय सिटी सेंटर में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान उस समय माहौल गरमा गया, जब महलगांव पहाड़ी के नीचे स्थित पीएम आवास के रहवासी मल्टी की सोसायटी हैंडओवर न होने की शिकायत लेकर अपर आयुक्त प्रदीप तोमर के सामने पहुंचे। शिकायत सुनने के बाद अपर आयुक्त ने 15 दिन के भीतर निराकरण का भरोसा दिया, जिसके बाद स्थानीय रहवासी वहां से लौट गए। हालांकि मामला यहीं नहीं रुका कुछ देर बाद वही लोग दोबारा जनसुनवाई में पहुंचे और फाइल डील करने वाले अधिकारियों की शिकायत रख दी। इस पर अपर आयुक्त प्रदीप तोमर ने कड़ा रुख अपनाते हुए शिकायतकर्ताओं को फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हमें अपने अधिकारी से बात करने का मौका दिए बिना ही अगर सब कुछ आप तय करना चाहते हैं, तो करिए। अपर आयुक्त की सख्ती के बाद शिकायतकर्ता बैकफुट पर आ गए और समय सीमा समाप्त होने के बाद पुन : आने की बात कहकर वापस लौट गए। जनसुनवाई के दौरान शहर के विभिन्न वार्डों से नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। वार्ड क्रमांक 51 सिद्धनाथ की बगिया के निवासियों ने सार्वजनिक निगम भूमि पर हो रहे अतिक्रमण की शिकायत करते हुए उसे तत्काल हटाने की मांग की।

आरोही, दृश्यल व नक्षत्र ने जीता कांस्य पदक

37वीं सब जूनियर राज्यस्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता

ग्वालियर। मध्यप्रदेश ताइक्वांडो संघ भोपाल एवं जिला ताइक्वांडो संघ सागर के मार्गदर्शन में आयोजित की गई 37वीं सब जूनियर राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में ग्वालियर की दृश्यल बौहरे, आरोही राणा तथा नक्षत्र रॉय ने अपने-अपने वजन वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक पर कब्जा किया।

जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव अजय गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता ग्वालियर जिले की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए आरोही राणा ने 47 किग्रा, दृश्यल बौहरे ने 38 किग्रा तथा नक्षत्र रॉय ने 18 किग्रा वजन वर्ग में कांस्य पदक जीता। प्रतियोगिता में ग्वालियर टीम का नेतृत्व कोच कृष सोनी ने किया एवं निर्णायक की भूमिका राष्ट्रीय रेफरी दीपक कुशवाह ने निभाई। उक्त प्रतियोगिता में तीनों खिलाड़ियों की उपलब्धि पर जिला ताइक्वांडो संघ ग्वालियर के अध्यक्ष रणवीर सिंह तोमर, सचिव अजय गुप्ता, उपाध्यक्ष रवीन्द्र सिंह एवं सह सचिव अक्षय केन, दीपक राजौरिया सहित अन्य पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी है।

निःशुल्क बांटी साइकिल

ग्वालियर। शासकीय हाईस्कूल बड़ौरी में मंगलवार को निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें वार्ड क्रमांक 66 की पार्षद ऊषा गिर्राज सिंह गुर्जर एवं भाजपा जिला महामंत्री गिर्राज सिंह गुर्जर विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को साइकिल वितरित कर उन्हें शिक्षा के प्रति निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पार्षद ऊषा गिर्राज सिंह गुर्जर ने कहा कि निःशुल्क साइकिल योजना विद्यार्थियों, विशेषकर ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों के बच्चों के लिए शिक्षा को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे स्कूल आने-जाने में सुविधा होगी और बच्चों का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया। भाजपा जिला महामंत्री गिर्राज सिंह गुर्जर ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि शिक्षा ही सशक्त भविष्य की नींव है। सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाएं विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही हैं।

सीसी रोड निर्माण में लापरवाही पर निगमायुक्त सख्त

तीन अधिकारियों को नोटिस

■ ग्वालियर

वार्ड 60 के अंतर्गत दुष्यंत नगर तंवर स्कूल के पास सीसी रोड निर्माण कार्य में गंभीर लापरवाही सामने आने पर निगमायुक्त संघ प्रिय ने सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने कार्यपालन यंत्री रजनीश देवेश, सहायक यंत्री यशवंत मैकले एवं क्षेत्रीय अधिकारी तनुजा वर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जानकारी के अनुसार सीसी रोड निर्माण कार्य के दौरान संबंधित इंजीनियर एवं अधिकारी मौके पर उपस्थित नहीं थे। उनकी अनुपस्थिति का लाभ उठाते हुए ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य मानक अनुरूप नहीं किया गया। सड़क निर्माण में निर्धारित मात्रा से कम मटेरियल डाले जाने की शिकायत निगमायुक्त को वॉट्सएप के माध्यम से प्राप्त हुई थी। शिकायतकर्ता द्वारा भेजे गए वीडियो में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था कि सीसी रोड निर्माण की गुणवत्ता बेहद कमजोर है और तय मानकों की अनदेखी की जा रही है। शिकायत मिलने के बाद निगमायुक्त ने मामले को गंभीरता से लिया। जांच में यह भी सामने आया कि संबंधित अधिकारियों द्वारा निर्माण स्थल पर जाकर कार्य की स्थिति का निरीक्षण नहीं किया गया, जो उनके कर्तव्यों के प्रति लापरवाही को दर्शाता है। इसी को आधार बनाकर तीनों अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

एडवोकेट प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता अगले माह

ग्वालियर। उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ ग्वालियर द्वारा आयोजित किए जाने वाले एडवोकेट प्रीमियर लीग क्रिकेट का आयोजन आगामी जनवरी माह में कैप्टन रूप सिंह स्टेडियम में किया जाएगा। यह जानकारी टूर्नामेंट प्रभारी हरि योगेन्द्र सिंह भदौरिया एवं अंकित वशिष्ठ ने संयुक्त रूप से दी।

ताज एक्सप्रेस के इंजन में फंसा जानवर

बिरला नगर-रायरू में सवा दो घंटे खड़ी रही ट्रेन

■ ग्वालियर

ग्वालियर से निजामुद्दीन जा रही ताज एक्सप्रेस मंगलवार शाम करीब 4:30 बजे बिरला नगर स्टेशन के पास इंजन में जानवर फंसने से रुक गई। जिसके कारण दिल्ली जाने वाले यात्रियों को सवा दो घंटे भारी परेशानी झेलनी पड़ी।

ताज एक्सप्रेस शाम करीब 4:30 बजे ग्वालियर से रवाना हुई थी। बिरला नगर स्टेशन के पास पहुंचते ही ट्रेन के इंजन में जानवर फंसने से अचानक झटका लगा और ट्रेन को रोकना पड़ा। रेलवे कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर करीब 40 मिनट की मशक्कत के बाद जानवर को इंजन से बाहर निकाला। इसके बावजूद इंजन में तकनीकी दिक्कत बनी रही और वह पूरी रफ्तार नहीं पकड़ सका।

सुरक्षा कारणों से ट्रेन को धीमी गति से रायरू स्टेशन तक ले जाया गया, जहां इंजन बदलने का फैसला लिया गया। रायरू में नया इंजन लगाए जाने के बाद ताज एक्सप्रेस शाम 6:50 बजे के बाद आगे के लिए रवाना हो सकी। इस दौरान यात्री बिरला नगर और रायरू स्टेशनों के बीच ट्रेन में फंसे रहे।

गतिमान को थर्ड लाइन से निकाला

ताज एक्सप्रेस के खड़े रहने से रेल यातायात भी प्रभावित हुआ। इस दौरान गतिमान एक्सप्रेस को थर्ड लाइन से निकाला गया, ताकि ट्रैफिक को नियंत्रित किया जा सके। पहले से लेट चल रही ट्रेनों के कारण कई ट्रेनों के समय में भी बदलाव करना पड़ा।

कृषि विश्वविद्यालय में 'अटल स्वरांजलि' आयोजित

अटल जन्म शताब्दी पर कथक से कविताओं का मंचन

■ ग्वालियर

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार कथक नृत्य से उनकी कविताओं का भावपूर्ण मंचन किया गया। दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में मंगलवार को आयोजित अटल स्वरांजलि में साहित्य, शास्त्रीय कथक, आधुनिक संगीत और काव्यपाठ का संगम देखने को मिला।

कृषि विश्वविद्यालय, राजा मान सिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय तथा राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर स्मृति न्यास, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. डॉ. अरविंद कुमार शुक्ल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरु स्मिता सहस्त्रबुद्धे उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत अटल जी की सुप्रसिद्ध कविता आओ फिर से दिया जलाएं से हुई। इसके बाद नया गाता हूं, मौत से ठन गई, ऊंचाई, अमर आग, कदम मिलाकर चलना होगा, भारत जमीन का टुकड़ा नहीं, क्या खोया क्या पाया और हिंदू तन-मन सहित कुल नौ कविताओं पर भावपूर्ण कथक प्रस्तुतियां दी गईं। समापन राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की अमर कृति रश्मिरथी के तृतीय अध्याय कृष्ण की चेतावनी पर आधारित प्रस्तुति से हुआ, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

शिमला से आए 17 कलाकारों ने प्रसिद्ध कथक कलाकार डॉ. पूनम शर्मा के निर्देशन में 1 घंटा 5 मिनट की नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की, जो अपने आप में अनूठी रही। इस अवसर पर अटल जी की कविताओं पर आधारित स्मारिका अटल संस्कृति से संवाद का लोकार्पण भी किया गया।

शिकायत पर आनंद मार्ट पहुंची खाद्य सुरक्षा टीम

मैदा व सूजी के लिए नमूने, जांच के लिए भोपाल भेजे जाएंगे

■ ग्वालियर

सूजी और मैदा के पैकेट में कीड़े मिलने की शिकायत पर मंगलवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम सिटी सेंटर स्थित आनंद मार्ट पहुंची और मौके पर जांच करते हुए मैदा एवं सूजी के नमूने लिए। इन नमूनों को जांच के लिए भोपाल स्थित प्रयोगशाला भेजा जाएगा।

जानकारी के अनुसार कांग्रेस के प्रवक्ता अजीत भदौरिया ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल किया था। जिसमें उन्होंने दावा किया कि वे आनंद मार्ट से मैदा और सूजी के पैकेट खरीदकर लाए थे। जब घर

पर इनका उपयोग किया, तो पैकेट के भीतर कीड़े रेंगते हुए दिखाई दिए। इस संबंध में उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग में शिकायत भी की।

शिकायत मिलने के बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम आनंद मार्ट पहुंची और संबंधित उत्पादों की जांच की। जांच के दौरान अधिकारियों को मौके पर पैकेट में

किसी भी प्रकार के कीड़े दिखाई नहीं दिए। हालांकि एहतियातन विभाग द्वारा मैदा और सूजी के नमूने लिए गए हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि लिए गए नमूनों को परीक्षण के लिए भोपाल की राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जाएगा। यदि जांच में गुणवत्ता में कमी या खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

साइबर ठगी का जाल

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब कोई बुजुर्ग या आम लोग साइबर ठगी के शिकार न हुए हों। पिछले दिनों महाराष्ट्र में एक सेवानिवृत्त जज भी डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार हो गए। पिछले सप्ताह ऐसा ही एक अन्य दुखद मामला पुणे से सामने आया जब साइबरों ठगों ने एक 82 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल हाउस अरेस्ट स्कैम में फंसाकर 1.19 करोड़ लूट लिए। कई दिन के मानसिक उत्पीड़न व आर्थिक क्षति से टूट गए वृद्ध की आखिर सदमे से मौत हो गई। यह विचारणीय पहलू है कि कैसे पढ़े-लिखे लोग साइबर ठगों की साजिश की गिरफ्त में आ जाते हैं। वैसे आम आदमी को साइबर ठगों व फर्जी फोन कॉल्स से बचाने के लिये पुख्ता व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आम लोगों की सुविधा व सुरक्षा के लिये सरकार के प्रयासों के बाद अब दूरसंचार विभाग ने मार्च 2026 में ऐसी व्यवस्था लागू करने के तैयारी की, जिसमें बिना ट्रू-कॉलर के खुद मोबाइल अवांछित फोन के प्रति सजग करेगा। नियामक संस्था ट्राई ने इस प्रस्ताव पर सहमति जतायी है। यह विडंबना ही कि जैसे-जैसे नई तकनीक आम आदमी के जीवन में सुविधा लाती है, वहीं असामाजिक तत्व उसे लूट-खसोट का हथियार बनाने में आगे निकल जाते हैं। देश में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार और मोबाइल फोन की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। जरा सी चूक होने पर लाखों लोग, साइबर धोखाधड़ी में अपने जीवनभर की पूंजी कुछ ही क्षणों में गवां देते हैं। अपराधियों का संजाल इतना विस्तृत व रहस्यमय है कि प्रवर्तन एजेंसियां जब तक उन तक पहुंचती हैं, पैसा विदेशों में ट्रांसफर हो जाता है। इस संकट का एक पहलू अनजान नंबरों से आने वाली फोन कॉल्स होती हैं, जिसके जरिये अपराधी लोगों को भ्रमित कर जीवन की जमा पूंजी लूट लेते हैं। दरअसल, संचार क्रांति के चलते तमाम सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हुई हैं, लेकिन इस सुविधा के साथ पुरानी पीढ़ी साम्य नहीं बैठा पाती है। अब इसी चुनौती को दूर करने के लिये दूरसंचार विभाग आम उपभोक्ता को ऐसी सुविधा देने जा रहा है, जिसमें फोन करने वाले को पहचाना जा सकेगा। फोन पर कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम लिखा नजर आएगा। फिर व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार फोन कॉल्स लेना तय कर सकता है। दूरसंचार नियामक ट्राई की मंजूरी के बाद इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। हालांकि, फोन करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने के कई ऐप अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका उपयोग कुछ ही लोग कर पाते हैं। वैसे ऐसा निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि ऐप द्वारा दी जाने वाली सूचना सटीक है। ऐसे में यदि दूरसंचार विभाग की कोशिश सिरे चढ़ती है तो इससे करोड़ों उपभोक्ताओं को सुरक्षा कवच मिल पाएगा। पहले इस सुविधा का लेना मांग पर आधारित था, लेकिन बाद में तय किया गया कि यह सुविधा प्रत्येक मोबाइल उपयोगकर्ता को उपलब्ध करायी जाएगी। विश्वास किया जा रहा है कि अगले साल मार्च तक पूरे देश में यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस सुविधा से किसी सीमा तक मोबाइल के जरिये धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों पर नकेल कसी जा सकेगी। मोबाइल उपयोगकर्ता की सजगता इसमें मददगार हो सकेगी। स्क्रीन पर अनजान नंबर व नाम देखने के बाद मोबाइलधारक फोन कॉल्स को उठाने से बच सकता है। वैसे इसके साथ ही देश में डिजिटल साक्षरता की दिशा में व्यापक पहल करने की जरूरत है। विभिन्न सूचना माध्यमों के जरिये लोगों को सजग-सतर्क किए जाने की आवश्यकता है। शहरों से लेकर ग्राम पंचायतों तक जनजागरण अभियान चलाकर लोगों को बताया जाना चाहिए कि बैंक, सीबीआई, कोर्ट या अन्य प्रवर्तन एजेंसियां कभी फोन करके उनके बैंक खाते या अन्य मामलों की जानकारी नहीं मांगती हैं। ऐसे फर्जी कॉल्स की प्रमाणिकता की पुष्टि करने के लिये हेल्पलाइन सुविधाओं में विस्तार करने की भी जरूरत है। देश में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराने वाली कंपनियों को भी बाध्य किया जाना चाहिए कि वे उपयोगकताओं को शिक्षित करके संदिग्ध फोन नंबरों के प्रति सचेत करें।

गरीबी से चल रही लड़ाई में एक रास्ता नजर आया है

> अति गरीब परिवारों को पहचानने और उनको कई सरकारी योजनाओं में शामिल करने की जिम्मेदारी दी गई थी। इस बात की संभावना बहुत कम है कि ईपीईपी केरल से अति गरीबी को पूरी तरह खत्म करने में सफल हो पाया है। फिर भी केरल का ईपीईपी एक महत्वपूर्ण पहल है, क्योंकि इसने अति गरीब परिवारों को समर्थन करने का एक रास्ता दिखाया। भारत में सामाजिक सुरक्षा के लिए कुछ जरूरी प्रावधान होते हैं, जैसे राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून, जन वितरण प्रणाली, मातृत्व लाभ, बच्चों के लिए आंगनवाड़ी कार्यक्रम और बुजुर्गों के लिए पेंशन। इन योजनाओं में ज्यादातर आबादी शामिल है और यह अच्छी बात है। पहले सामाजिक सुरक्षा योजनाएं गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों (जिन्हें बीपीएल परिवार कहते हैं) तक ही सीमित थीं। लेकिन बीपीएल परिवारों की पहचान भरोसेमंद नहीं थी, इसलिए बहुत से गरीब परिवार छूट रहे थे।

ज्यां द्रेज

क्या यह सच है कि केरल में अति गरीबी खत्म हो गई है? केरल सरकार का दावा यही है। हालांकि कुछ अर्थशास्त्रियों ने इस दावे पर सवाल उठाया है। सरकार का दावा उसके एक्स्ट्रीम पॉवर्टी इरेडिकेशन प्रोजेक्ट (ईपीईपी) पर भरोसे का नतीजा है। इसके तहत ग्राम पंचायतों को अति गरीब परिवारों को पहचानने और उनको कई सरकारी योजनाओं में शामिल करने की जिम्मेदारी दी गई थी। इस बात की संभावना बहुत कम है कि ईपीईपी केरल से अति गरीबी को पूरी तरह खत्म करने में सफल हो पाया है। फिर भी केरल का ईपीईपी एक महत्वपूर्ण पहल है, क्योंकि इसने अति गरीब परिवारों को समर्थन करने का एक रास्ता दिखाया। भारत में सामाजिक सुरक्षा के लिए कुछ जरूरी प्रावधान होते हैं, जैसे राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून, जन वितरण प्रणाली, मातृत्व लाभ, बच्चों के लिए आंगनवाड़ी कार्यक्रम और बुजुर्गों के लिए पेंशन। इन योजनाओं में ज्यादातर आबादी शामिल है और यह अच्छी बात है। पहले सामाजिक सुरक्षा योजनाएं गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों (जिन्हें बीपीएल परिवार कहते हैं) तक ही सीमित थीं। लेकिन बीपीएल परिवारों की पहचान भरोसेमंद नहीं थी, इसलिए बहुत से गरीब परिवार छूट रहे थे। इन योजनाओं को ज्यादातर आबादी तक पहुंचाने से यह समस्या काफी कम हो गई है। ज्यादा समावेशी सामाजिक सुरक्षा की तरफ बढ़ना एक अच्छा कदम था। लेकिन इसका एक नतीजा यह भी हुआ कि अति गरीब लोगों पर ध्यान कम हो गया। यह समस्या महिलाओं के लिए कैश ट्रांसफर की नई योजनाओं में भी दिख रही है। सभी महिलाओं के लिए रकम एक जैसी है। गरीब महिलाओं को ज्यादा देने की कोई कोशिश नहीं की जा रही है।

असल में, कुछ राज्यों में इन योजनाओं का यह उल्टा नतीजा हुआ है कि सबसे गरीब महिलाओं को कम पैसा मिलता है। उदाहरण के लिए, झारखण्ड में 50 से कम उम्र की वयस्क महिलाओं को मैया सम्मान योजना के तहत हर महीने 2,500 रु. मिलते हैं, लेकिन बुजुर्ग महिलाओं को वृद्धावस्था पेंशन के तौर पर हर महीने सिर्फ 1,000 रु. मिलते हैं। यह बड़ा अन्याय है। भारत में सबसे गरीब लोगों के लिए एक ही राष्ट्रीय योजना है, अंत्योदय अन्न योजना। इसे 2001 में शुरू किया गया था। इस स्कीम के तहत, गांव के समुदायों द्वारा सबसे गरीब परिवारों की पहचान की जाती है। वे जन वितरण प्रणाली से हर महीने 35 किलो अनाज लेने के हकदार हैं। कुछ राज्यों में अंत्योदय परिवारों को दाल के राशन जैसे और भी लाभ मिलते हैं। हाल ही में, केंद्र सरकार ने अंत्योदय योजना में बड़ा बदलाव लाने की घोषणा की। हर महीने 35 किलो अनाज मिलने के बजाय अंत्योदय परिवारों को हर व्यक्ति को 7 किलो के हिसाब से अनाज मिलेगा। यह उचित लग सकता है, लेकिन कई अंत्योदय परिवारों में अकेले रहने वाले बुजुर्ग लोग, एक या दो बच्चों वाली विधवाएं और अन्य छोटे परिवार होते हैं। अगर यह बदलाव लागू होगा तो ये परिवार और गरीब हो जाएंगे। बड़े परिवारों को फायदा होगा, लेकिन ज्यादा नहीं, जब तक कि वे बहुत बड़े न हों। सरकार पैसे बचाएगी, और शायद यही इस बदलाव का मकसद हो। अंत्योदय योजना को कम करने के बजाय केंद्र को इसे मजबूत करना चाहिए। अंत्योदय परिवारों की सूची बहुत पुरानी है, ग्राम सभा की मदद से उसका सत्यापन करना चाहिए और अंत्योदय परिवारों की संख्या बढ़ानी भी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के तहत अंत्योदय कार्ड के हकदार वर्ग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जैसे आदिम जनजाति और एकल महिलाएं। अंत्योदय परिवारों को जन वितरण प्रणाली के तहत अनाज, दाल और खाद्य तेल उपलब्ध करना चाहिए। उन्हें आयुष्मान भारत और मैया सम्मान योजना जैसे अन्य योजनाओं में भी शामिल करना चाहिए। केरल में अति गरीबी हो न हो, उसने इस पर ध्यान देने और काम करने का रास्ता तो दिखाया है। महात्मा गांधी कहते थे कि जब हम कोई आर्थिक नीति बनाते हैं, तो हमें सबसे गरीब व्यक्ति को केंद्र में रखना चाहिए। लेकिन आजकल सबसे गरीब व्यक्ति के बजाय सबसे अमीर व्यक्ति को नीतियां बनाते समय याद रखा जाता है।

बंगाल में चुनावों के मद्देनजर उछाला है घुसपैठियों का मुद्दा?

> स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या ह्यअपनाह्ल क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

नीरजा चौधरी

लोकतंत्र की सेहत के लिए जरूरी है कि अब चुनाव सुधारों पर ध्यान दिया जाए। लेकिन संसद में चुनाव सुधारों पर हुई बहस राजनीति पर ही केंद्रित रही। विपक्ष के बजाय भाजपा अपनी राजनीति को लेकर अधिक स्पष्ट नजर आई। 2026 में, खासकर पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों के चुनावों को ध्यान में रखते हुए उसने इस बहस का इस्तेमाल अपनी सियासी रणनीति की धार तेज करने के लिए किया। गृह मंत्री अमित शाह ने मतदाता सूची में मौजूद ह्यघुसपैठियोंह्ल के मुद्दे पर हमला तेज करते हुए एसआईआर के जरिए इन्हें पहचान कर देश से बाहर निकालने पर जोर दिया है। यह ऐसा मुद्दा है, जिसकी आलोचना विपक्ष कर रहा है। और भाजपा इसी मुद्दे को पश्चिम बंगाल चुनावों में जोर-शोर से उठाने जा रही है। देखें तो संसद में ह्यचुनाव सुधारोंह्ल पर हुई बहस भाजपा और विपक्ष के बीच एक तरह का समझौता थी। विपक्ष के निशाने पर रहे एसआईआर के बजाय भाजपा ह्यचुनाव सुधारोंह्ल पर चर्चा के लिए तैयार हुई, लेकिन शर्त यह थी कि विपक्ष भी पहले ह्यवंदे मातरमह्ल पर बहस को राजी हो। इससे कई लोग उत्साहित हुए कि चलो संसद की कार्यवाही चलाने का कोई रास्ता तो निकला। भाजपा को उम्मीद है कि ह्यघुसपैठियोंह्ल को लेकर उसका रुख और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की बिना कांट-छांट वाली कविता का मुद्दा बंगाल चुनाव में असर डालेगा। ये मुद्दे बंगाली राष्ट्रवाद को लेकर पार्टी के पक्ष में हवा बनाएंगे। भाजपा जानती है कि 2021 के चुनावों में ममता बनर्जी को इसी मुद्दे ने जीत दिलाई थी। चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान भाजपा की सियासत तो स्पष्ट रही, लेकिन विपक्ष के मामले में ऐसा नहीं कहा जा सकता। हालांकि, सपा के अखिलेश यादव, आप के संजय सिंह, एनसीपी (शरद पवार) की सुप्रिया सुले और कांग्रेस के मनीष तिवारी जैसे कई विपक्षी सांसदों ने कई अहम बातें रखी जरूर थीं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने निर्वाचन आयुक्तों को नियुक्त करने वाली समिति से सीजेआई को हटाने और 2023 में निर्वाचन आयुक्तों को किसी भी गड़बड़ी से कानूनी छूट देने के प्रावधानों पर सवाल खड़े किए थे। यह मांग भी की कि विपक्ष को कम से कम एक माह पहले ईवीएम और मतदाता सूचियां दिखाई जाएं। सीसीटीवी कैमरों का डेटा भी 45 से ज्यादा दिनों तक सुरक्षित रखा जाए। इससे यह बहस शाह बनाम राहुल बनकर रह गई। यह स्थिति भाजपा के लिए अनुकूल थी। वास्तव में भाजपा बहस को इसी दिशा में ले जाना चाहती थी। शाह ने राहुल के हथियार से उन्हीं पर हमला करते हुए नेहरू-गांधी परिवार पर ह्यवोट चोरीह्ल का आरोप लगा दिया। शाह ने कहा कि अप्रैल 1946 में जवाहरलाल नेहरू ने ह्यवोट चोरीह्ल की थी, जब महात्मा गांधी ने उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष बनाने के लिए चुना। यह 1947 में नेहरू के प्रधानमंत्री बनने की दिशा में एक कदम था। 15 में से 12 प्रदेश कांग्रेस कमेटियां सरदार पटेल के, जबकि दो जेबी कृपलानी के पक्ष में थीं। नेहरू के पक्ष में तो एक भी नहीं थी। शाह ने इंदिरा गांधी पर भी आरोप लगाया कि जब उन्हें चुनावी गड़बड़ियों का दोषी ठहराकर संसद सदस्यता से अयोग्य ठहराया गया था तो उन्होंने 1975 में 39वां संविधान संशोधन लाकर खुद को कानूनी कार्रवाई से बचा लिया। इसी के बाद उन्होंने देश में आपातकाल लगाया। उन्होंने एक मामले का जिक्र करते हुए सोनिया गांधी पर भी आरोप लगाया कि उन्होंने भारत का नागरिक बनने से पहले ही मतदाता सूची में नाम दर्ज करा लिया था। एसआईआर मुद्दे पर कई लोगों को उम्मीद थी कि इंडिया गठबंधन संगठित होकर सत्तापक्ष को घेरने की कोशिश करेगा। लेकिन बहस के भाजपा बनाम राहुल होने से अन्य विपक्षी नेता और पूरा इंडिया गठबंधन हाशिए पर चला गया। यह ममता बनर्जी के लिए मुश्किल पैदा करने वाली स्थिति हो सकती है। उन्हें हर हाल में बंगाल में मुस्लिम वोटों का बंटवारा रोकना है। भाजपा को उम्मीद है कि ह्यघुसपैठियोंह्ल को लेकर उसका रुख और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की बिना कांट-छांट वाली कविता का मुद्दा बंगाल चुनाव में असर डालेगा। ये मुद्दे बंगाली राष्ट्रवाद को लेकर पार्टी के पक्ष में हवा बनाएंगे।

बांग्लादेश की स्थिरता भारत के लिए जरूरी

> ऐसे में 1971 में अमेरिका समेत पश्चिमी देशों की भारत को पस्त होते और चौतरफा घिरे देखने की जो हसरत पूरी नहीं हुई थी, उसे अब पूरी करने की कोशिशें हो रही हैं।सोमवार को भारत में अमेरिका के राजदूत और दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत सर्जियो गोर से मोहम्मद युनूस की फोन पर करीब आधे घंटे तक बात हुई। जिसमें यूनुस ने भारत में शरणागत शेख हसीना पर नए आरोप लगाए कि हसीना के समर्थक कथित तौर पर चुनावी प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए लाखों डॉलर खर्च कर रहे हैं और उनकी फरार नेता विदेश से हिंसा भड़का रही हैं। बता दें कि शेख हसीना को बांग्लादेश में मृत्युंदड मिला है और वह उनका प्रत्यर्पण चाहता है। लेकिन भारत इसकी अनुमति नहीं दे रहा। वहीं युनूस पर बार-बार आरोप लग रहे हैं कि वो चुनाव टालना चाहते हैं, लेकिन युनूस ने अमेरिका को बताया कि चुनाव अगले साल 12 फरवरी को समय पर होंगे।अमेरिकी दूत के साथ चर्चा में शेख हसीना पर चुनाव रोकने का इल्जाम लगाकर शायद इस बात की पृष्ठभूमि तैयार की जा रही है कि उनकी पार्टी अवामी लीग चुनावों से बाहर रहे। ध्यान रहे कि भारत ने हाल ही में कहा है कि वह बांग्लादेश में शशांतिपूर्ण माहौल्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष, समावेशी और विश्वसनीय चुनावों के पक्ष में है। इसमें समावेशी का मतलब चुनाव प्रक्रिया में हसीना की अवामी लीग को भी शामिल करना है। लेकिन बांग्लादेश सरकार ने अपने बयानों में शसमावेशी्य शब्द का उल्लेख नहीं किया है। उसने कहा है कि वह सर्वोच्च मानकों वाले चुनाव कराना चाहती है, जिनका पिछले 15 सालों से अभाव रहा है। यानी फिर से शेख हसीना को निशाने पर लिया जा रहा है।

पिछले साल शेख हसीना सरकार के गिरने और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनने के बाद से भारत और बांग्लादेश के संबंध अपने सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। कड़वाहट और अविश्वास इतना अधिक बढ़ गया है कि दोनों देशों के बीच फिलहाल वीजा सेवाओं पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। इस आग में घी डालने का काम दोनों देशों में बैठे कट्टरपंथी नेता कर रहे हैं। पड़ोस में कट्टर दुश्मन की तरह एक पाकिस्तान हमारे लिए मानो काफी नहीं था कि अब बांग्लादेश के साथ संबंध भी उसी नफरत की राह पर बढ़ रहे हैं। ऐसे में 1971 में अमेरिका समेत पश्चिमी देशों की भारत को पस्त होते और चौतरफा घिरे देखने की जो हसरत पूरी नहीं हुई थी, उसे अब पूरी करने की कोशिशें हो रही हैं।सोमवार को भारत में अमेरिका के राजदूत और दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत सर्जियो गोर से मोहम्मद युनूस की फोन पर करीब आधे घंटे तक बात हुई। जिसमें यूनुस ने भारत में शरणागत शेख हसीना पर नए आरोप लगाए कि हसीना के समर्थक कथित तौर पर चुनावी प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए लाखों डॉलर खर्च कर रहे हैं और उनकी फरार नेता विदेश से हिंसा भड़का रही हैं। बता दें कि शेख हसीना को बांग्लादेश में मृत्युंदड मिला है और वह उनका प्रत्यर्पण चाहता है। लेकिन भारत इसकी अनुमति नहीं दे रहा। वहीं युनूस पर बार-बार आरोप लग रहे हैं कि वो चुनाव टालना चाहते हैं, लेकिन युनूस ने अमेरिका को बताया कि चुनाव अगले साल 12 फरवरी को समय पर होंगे।अमेरिकी दूत के साथ चर्चा में शेख हसीना पर चुनाव रोकने का इल्जाम लगाकर शायद इस बात की पृष्ठभूमि तैयार की जा रही है कि उनकी पार्टी अवामी लीग चुनावों से बाहर रहे। ध्यान रहे कि भारत ने हाल ही में कहा है कि वह बांग्लादेश में शशांतिपूर्ण माहौल्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष, समावेशी और विश्वसनीय चुनावों के पक्ष में है। इसमें समावेशी का मतलब चुनाव प्रक्रिया में हसीना की अवामी लीग को भी शामिल करना है। लेकिन बांग्लादेश सरकार ने अपने बयानों में शसमावेशी्य शब्द का उल्लेख नहीं किया है। उसने कहा है कि वह सर्वोच्च मानकों वाले चुनाव कराना चाहती है, जिनका पिछले 15 सालों से अभाव रहा है। यानी फिर से शेख हसीना को निशाने पर लिया जा रहा है। वहीं बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने कहा है कि हम यह नहीं चाहते कि पड़ोसी देश हमें यह सलाह दे कि बांग्लादेश में

चुनाव कैसे कराए जाने चाहिए।बांग्लादेश को बेशक अपनी संप्रभुता के लिए बोलने का हक है, लेकिन उसे भू राजनैतिक परिस्थितियों पर भी गौर करना चाहिए। बांग्लादेश की 94 प्रतिशत सीमा भारत से लगती है। एक देश की उथल-पुथल दूसरे को भी प्रभावित करती है, इसलिए 4,000 किलोमीटर की साझा सीमा पर सुरक्षा और शांति दोनों देशों के लिए जरूरी है। बांग्लादेश लगभग चारों तरफ से भारत से घिरा हुआ है। सुरक्षा और व्यापार के मामले में वह भारत पर निर्भर है। वहीं बांग्लादेश से भारत को पूर्वोत्तर के राज्यों में सस्ते और सुलभ संपर्क में मदद मिलती है। पूर्वोत्तर के राज्यों से बाकी भारत को जोड़ने में बांग्लादेश की अहम भूमिका है।बांग्लादेश की राजनैतिक अस्थिरता और कट्टरपंथी ताकतों का दबदबा भारत के लिए ज्यादा चिंता की बात है, क्योंकि इसी बहाने एक तरफ पाकिस्तान और चीन और दूसरी तरफ अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस जैसे पश्चिमी देश इसमें अपने दखल का मौका तलाश रहे हैं। पिछले हफ्ते ही भारत विरोधी कट्टरपंथी छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद पश्चिमी देशों ने शोक प्रकट किया, लेकिन हिंदू अल्पसंख्यक युवा दीपू दास की मॉब लिंचिंग और नृशंस हत्या पर मौन धारण किया। अभी बेशक संयुक्त राष्ट्र ने इस तरह की हिंसा रोकने का आह्वान किया है, वहीं अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के दो सदस्यों राजा कृष्णमूर्ति और सुहास सुब्रमण्यम ने भी ढाका में अल्पसंख्यक समुदायों पर हमलों को चिंताजनक कहा है। लेकिन बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने तो दीपू दास की लिंचिंग को अल्पसंख्यकों पर हमले के रूप में पेश किए जाने को ही खारिज कर दिया है। इस बीच अकेले रूस ने फिर से भारत का साथ दिया है। बांग्लादेश में रूस के राजदूत अलेक्जेंडर ग्रिगोरियेविच खोजिन ने कहा है कि रूस दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में हस्तक्षेप नहीं कर रहा है, लेकिन उनका मानना है कि यह समझदारी होगी कि ऐसा रास्ता निकाला जाए जिससे तनाव और न बढ़े। बांग्लादेश जितनी जल्दी भारत के साथ तनाव कम करेगा, उतना दोनों देशों और पूरे दक्षिण एशिया के लिए बेहतर होगा। इसके साथ ही खोजिन ने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम को याद करते हुए कहा कि 1971 में बांग्लादेश को आजादी मुख्य रूप से भारत की मदद से मिली थी। रूस ने भी समर्थन किया था।

क्या वाकई शराब पीते और नशे में धुत इंग्लिश खिलाड़ियों का वीडियो आया सामने

एडिलेड। एशेज 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3-0 से करारी हार झेलने के बाद इंग्लैंड क्रिकेट टीम एक नए विवाद में फंस गई है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में बेन डकेट और जैकब बेथेल को कथित तौर पर नशे और पार्टी करते हुए देखा गया, जिससे टीम के अनुशासन पर सवाल उठे हैं। ये वीडियो एशेज के बीच नोसा में लिए गए ब्रेक के दौरान के बताए जा रहे हैं। एशेज 2025 में इंग्लैंड का ऑस्ट्रेलिया दौरा मैदान पर तो बुरी तरह विफल रहा ही, अब टीम ऑफ-फील्ड विवादों में भी घिरती नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कुछ वीडियो ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। इन वीडियो में बेन डकेट और युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल कथित तौर पर नशे की हालत में दिखाई दे रहे हैं, जिसके बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (एउइ) ने मामले की जांच के संकेत दिए हैं। हालांकि, अमर उजाला इन वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता।

ऋतिक रोशन के कजिन की शादी में एक्स वाइफ सुजैन का ग्लैमरस अंदाज,

अभिनेता ऋतिक रोशन के चचेरे भाई ईशान रोशन हाल ही में शादी के बंधन में बंधे हैं। उन्होंने ऐश्वर्या सिंह से शादी रचाई है। इस समारोह में पूरा रोशन परिवार शरीक हुआ। ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान भी नजर आईं। ऋतिक रोशन के कजिन ईशान रोशन ने ऐश्वर्या सिंह के साथ शादी रचाई है। शादी में पूरे रोशन परिवार ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसकी फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। शादी से पूर्व के फंक्शन में ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड सबा आजाद भी शामिल हुईं। हालांकि, तबीयत खराब होने के चलते वे शादी में शामिल नहीं हो पाईं। इस शादी के फंक्शन में

ऋतिक की एक्स वाइफ सुजैन भी ग्लैमरस लुक में पहुंचीं। ग्लैमरस लुक में पहुंचीं सुजैन खान सुजैन खान ने आज बुधवार को इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने शादी के फंक्शन से अपनी फोटोज साझा किए हैं। वे ट्रेडिशनल लुक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। साथ में उनके दोनों बेटे ऋेहान और ऋदान भी दिख रहे हैं। दोनों बेटों के लिए लिखा- 'तुम्हें अपना कहने पर गर्व है' इस पोस्ट के साथ सुजैन खान ने कैप्शन लिखा है, 'शेरनी मां..., मेरे बेटों की मुस्कुराहट से मेरा दिल खुशी से भर गया है। मेरे रे (ऋेहान) और रिद्जा (ऋदान)... यहां से लेकर समय के आखिर तक तुम दोनों मेरे सबसे बहादुर दिल वाले शूरवीर रहे हो, तुम दोनों को अपना कहने पर मुझे बहुत गर्व है'। कौन हैं ईशान रोशन? ईशान रोशन, एक्टर ऋतिक रोशन के चचेरे भाई हैं। ईशान म्यूजिक कंपोजर राजेश रोशन के बेटे हैं। ईशान ऌफफिल्म्स में प्रोड्यूसर के रूप में काम करते हैं। उन्होंने ऋतिक रोशन और यामी गौतम की साल 2017 में आई फिल्म ह्यकाबिलह्न में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर भी काम किया था। बता दें कि ऋतिक रोशन और सुजैन की शादी साल 2000 में हुई थी। मगर, 2014 में इनका तलाक हो गया। सुजैन इन दिनों अर्सलान गोनी को डेट कर रही हैं। वहीं, ऋतिक रोशन एक्ट्रेस सिंगर सबा आजाद को डेट कर रहे हैं।

विकी कौशल ने इक्कीस को बताया प्रेरणादायक, कहा असली हीरो बनने के लिए उम्र नहीं, हिम्मत चाहिए

बॉलीवुड में नए चेहरे हमेशा ही दर्शकों के लिए उत्साह का कारण होते हैं और इस कड़ी में अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया अपनी शुरूआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सिमर अपनी पहली फिल्म ह्यइक्कीसह्न से बड़े पर्दे पर कदम रखने जा रही हैं। फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा लीड रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म रिलीज से पहले ही सुर्खियों में बनी हुई है। वहीं अब एक्टर विक्की कौशल ने भी फिल्म को लेकर अपने विचार रखे हैं। फिल्म को लेकर विक्की कौशल ने कहा एक दमदार मैसेज में विक्की कौशल ने बताया कि असली हीरो बनने के लिए उम्र नहीं, हिम्मत चाहिए। इक्कीस के बारे में बात करते हुए उन्होंने याद दिलाया कि जज्बा अगर फौलादी हो, तो 21 की छोटी-सी उम्र में भी दास्तानें लिखी जाती हैं। भारत के सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र वीर सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की जिंदगी से प्रेरित, पापे बड़े परदे पर लेकर आ रही है बेखौफ बहादुरी, जुनून और बलिदान की कहानी एक ऐसी कहानी जो हर पीढ़ी को मोटिवेट करती रही है और करती रहेगी।ह्यइक्कीसह्न फिल्म भारत के सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की प्रेरक जिंदगी पर आधारित है। फिल्म उनकी बहादुरी, जुनून और बलिदान की कहानी बड़े पर्दे पर दिखाएगी। फिल्म का संदेश साफ है असली हीरो बनने के लिए उम्र नहीं, हिम्मत चाहिए। फिल्म में सिमर भाटिया ने अरुण खेत्रपाल की बहन के किरदार में अहम भूमिका निभाई है। इसके अलावा धर्मेंद्र उनके पिता एम.एल. खेत्रपाल की भूमिका में हैं। फिल्म में जयदीप अहलावत और सिकंदर खेर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। ह्यइक्कीसह्न पहले 25 दिसंबर 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन रिलीज से कुछ दिन पहले मेकर्स ने इसे 1 जनवरी 2026 के लिए पोस्टपोन कर दिया।

बॉर्डर 2 के लिए अहान शेट्टी ने घटाया अपना 5 केजी वजन, बोले- यह आसान नहीं था, इसके लिए...

एक्टर अहान शेट्टी इन दिनों अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में अपनी दमदार छाप छोड़ने के लिए अहान जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं। वहीं, हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्टर ने खुलासा किया कि इस फिल्म के लिए उन्होंने अपना 5 किलो वजन घटाया है। इसके साथ ही उन्होंने अपने किरदार के लिए अन्य तैयारियों का भी खुलासा किया। अहान शेट्टी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, मैं बॉर्डर 2 में एक नेवी ऑफिसर का किरदार निभा रहा हूं। इस भूमिका के लिए मुझे ऐसी बॉडी चाहिए थी, जो ताकतवर होने के साथ-साथ फुतीर्ली और जंग के लिए तैयार लगे। इस लुक को पाने के लिए मैंने लगभग 5 किलो वजन कम किया। लेकिन, यह वजन घटाना आसान नहीं था। इसके लिए एक सही डाइट स्ट्रेटजी अपनानी पड़ी। उन्होंने कहा, मैंने अपनी डाइट में ऐसा खाना चुना, जिससे शरीर को भरपूर एनर्जी मिले और मसल्स को भी मजबूती मिले। इसके लिए प्रोटीन और हेल्दी फैट पर ज्यादा ध्यान दिया। साथ ही काबोर्हाइड्रेट की मात्रा कम की ताकि शरीर की चर्बी धीरे-धीरे कम हो सके। मेरा मकसद सिर्फ पतला दिखना नहीं था, बल्कि एक ऐसे सैनिक जैसा शरीर बनाना था, जो हर समय एक्टिव और तैयार नजर आए। अहान ने कहा, श्इस तैयारी में अनुशासन सबसे अहम था। मेरा खाना ट्रेनिंग और शूटिंग के समय के हिसाब से तय होता था। शूटिंग के दौरान मैंने कोई भी चीट डे मील नहीं लिया। एक सैनिक की जिंदगी में लापरवाही की कोई जगह नहीं होती और मैं यही सच्चाई पर्दे पर दिखाना चाहता हूं। मेरा मानना है कि जब कलाकार खुद उस अनुशासन को अपनाता है, तभी किरदार में सच्चाई नजर आती है। फिल्म की शूटिंग के अनुभव को लेकर एक्टर ने कहा, बॉर्डर 2 की शूटिंग पुणे के नेशनल डिफेंस अकादमी (एनडीए) में हुई। यह जगह मेरे लिए एक तरह से सीखने का एक बड़ा मौका था।

पैपराजी को लेकर जया बच्चन के बयान पर भड़के हिंदुस्तानी भाऊ, बोले-खुद 150 की साड़ी पहनती और कहती हैं कि..

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस जया बच्चन और पैपराजी के बीच का रिश्ता लंबे समय से तनावपूर्ण रहा है। जया बच्चन कई बार सार्वजनिक जगहों पर बिना अनुमति फोटो खींचने को लेकर पैपराजी पर नाराजगी जाहिर कर चुकी हैं। इसी मुद्दे पर दिया गया उनका एक पुराना बयान एक बार फिर चर्चा में आ गया है, जिस पर अब बिग बॉस 13 के चर्चित कंटेस्टेंट हिंदुस्तानी भाऊ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। हिंदुस्तानी भाऊ ने एक वीडियो बयान में जया बच्चन को निशाने पर लेते हुए कहा कि वो जया बच्चन जो खुद 150 रुपए की साड़ी पहनती है, पुराना बाजार से और वो इन लोगों को गरीब बोलती हैं और कहती हैं कि कैसे गंदे कपड़े पहनकर आते हैं। तुम लोग क्यों जाते हो ऐसे इंसान के पास, जहां आपको इज्जत नहीं मिलती। आप लोगों की वजह से ये लोग दिख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जाकर अपने बॉस को बोलो कि तू जा, वहां पर हमारी इज्जत नहीं होती है। जब तू बेइज्जत हो जाएगा ना,

तब तेरे को पता चलेगा। हिंदुस्तानी भाऊ का ये बयान सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है और लोग उनकी बात के साथ पूरी सहमति जता रहे हैं। बीते दिनों एक इंटरव्यू में जया बच्चन ने कहा था कि उनका पैपराजी के साथ कोई रिश्ता नहीं है और वे उन लोगों की आलोचना करती हैं जो सिर्फ मोबाइल लेकर उन्हें फोटो खींचने लगते हैं। उन्होंने कहा था- यह जो बाहर ड्रेन पाइप टाइट गंदे-गंदे पैंट पहनकर, हाथ में मोबाइल लेकर, वे सोचते हैं कि आपकी फोटोज खींच सकते हैं और जो मन आता है कहते हैं। वे किस तरह के कमेंट्स पास करते हैं। यह कैसे लोग हैं? कहां से आते हैं? किस तरह का एजुकेशन है? क्या बैकग्राउंड है?

धुरंधर के सीक्वल को लेकर मेकर्स का बड़ा ऐलान, 2026 में पांच भाषाओं में रिलीज होगा पार्ट 2

5 दिसंबर को रिलीज हुई रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर लगातार अपना जलवा बिखेर रही है। बॉक्स ऑफिस पर इसे तगड़ी कमाई के साथ दर्शकों का भी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसके साथ ही दर्शक इसके दूसरे पार्ट को लेकर भी एक्साइटमेंट दिखाने लगे हैं। इसी बीच मेकर्स ने जानकारी दी कि इस फिल्म का सीक्वल अगले साल रिलीज होगा। दर्शकों की स्वाभाविक

मांग को देखते हुए और भारत के साथ-साथ विदेशों में बसे साउथ इंडियन दर्शकों को ध्यान में रखते हुए, धुरंधर के मेकर्स ने फैसला किया है कि धुरंधर 2 को शुरूआत से ही सभी प्रमुख भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने खुलासा किया कि धुरंधर 2 को ईद 2026 में 19 मार्च 2026 को रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म एक साथ हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम, पांच भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विनर आदित्य धर कर रहे हैं। धुरंधर 2 में कहानी और एक्शन दोनों को पहले से कहीं ज्यादा बड़े स्तर पर पेश किया जाएगा। फिल्म इस समय पोस्ट-प्रोडक्शन में है और इसे 2026 की सबसे ज्यादा चर्चित और बहुप्रतीक्षित भारतीय फिल्मों में माना जा रहा है।

'धुरंधर' के निर्देशक की पत्नी यामी गौतम ने किए खुलासे, कहा- शादी का कोई फिल्मी प्रपोजल नहीं था, खुद किया मेकअप

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' कमाल कर रही है। इस बीच आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने बताया है कि उनका रिश्ता कैसे परवान चढ़ा और वह किस तरह की शादी करना चाहती थीं? फिल्ममेकर आदित्य धर 'धुरंधर' की कामयाबी से खुश हैं। इसमें रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त और आर माधवन ने अहम किरदार निभाया है। हाल ही में आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने अपनी शादी के बारे में कई खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उनका रिश्ता बिना किसी फिल्मी ड्रामे के बेहतर बना। 'उरी' के सेट पर परवान चढ़ा रिश्ता ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे से बातचीत में यामी गौतम ने बताया कि उनका रिश्ता फिल्म 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के वक्त बेहतर हुआ। उन्होंने कहा 'ऐसा कोई फिल्मी प्रपोजल नहीं था कि वह कहें कि हम आपको प्रपोज करने जा रहे हैं। मुझे आदित्य धर की सादगी पसंद आई। मुझे बस ये पता था कि हम शादी करने जा रहे हैं। दोनों के परिवार हमें मिलाना चाहते थे और काफी खुश थे।' किस तरह की शादी चाहती थीं यामी? अभिनेत्री ने बताया 'मैं चाहती थी कि मेरी शादी इस तरह से हो कि कुछ परिवार के लोग हों। हर किसी का आशीर्वाद हो और हमारे आस-पास प्राकृतिक वातावरण हो। मैं चाहती थी कि जहां शादी हो वहां बैकग्राउंड में ऊंचे-ऊंचे देवदार के पेड़ हों, पहाड़ियां हों।' यामी ने किया खुद का मेकअप यामी गौतम ने बताया कि उन्होंने अपनी शादी को इतना आसान बनाया कि उन्होंने खुद का मेकअप किया। उन्होंने कहा 'मैंने अपना मेकअप खुद किया। मुझे लगा कि यह बहुत मुश्किल है, लेकिन यह काम आसान था। सुरीली ने मेरे बाल बनाए।' अली फजल ने दिखाई फिल्म 'मिजार्पुर' की शूटिंग की झलक, राजस्थान के लोगों से कही ये बात यामी ने की आदित्य धर की तारीफ आदित्य धर की तारीफ करते हुए यामी गौतम ने कहा 'वह ऐसे आदमी हैं जो आज के दौर में मिलना मुश्किल है। मैं जब 'आर्टिकल 370' का प्रमोशन कर रही थी, तब प्रेग्नेंट थी। उस वक्त आदित्य धर यह पक्का करना चाहते थे कि मैं कम्फर्टेबल रहूं। इसलिए उन्होंने मुझे एक तकिया दिया।' यामी गौतम ने आगे बताया कि जब वह 'उरी' के सेट पर जमीन पर बैठकर खाना खा रही थीं, तब उन्होंने अपनी डायरेक्टर की कुर्सी ऑफर की।

मुसीबत में फंसे एक्टर-कॉमेडियन रसेल ब्रांड, लगे दो नए आरोप; दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न का है मामला

ब्रिटिश एक्टर और कॉमेडियन रसेल ब्रांड फिर से बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। उन पर अब दो नए आरोप लगे हैं, जिनमें दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न का पुराने आरोपों का ट्रायल जून 2026 में शुरू होगा। तब तक वे जमानत पर हैं। रसेल ब्रांड ने सभी आरोपों से इनकार किया है और खुद को निर्दोष बताया है।

मामला सामने आया है। ब्रिटेन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि 'फॉरगेटिंग सारा मार्शल' फिल्म के स्टार रसेल ब्रांड पर दो और महिलाओं से जुड़े नए आरोप हैं। ये आरोप एक दुष्कर्म और एक यौन उत्पीड़न के हैं। ये पुराने आरोपों के अलावा हैं। नए आरोप एएनआई के मुताबिक, रसेल ब्रांड पर जो नए बलात्कार और यौन उत्पीड़न के आरोप लगे हैं, उन आरोपों के लिए वे 20 जनवरी 2026 को कोर्ट में पेश होंगे। वे कोर्ट में अपना बचाव करने के लिए तैयार हैं। पुराना मामला ये मामले 2023 में चैनल 4 की डॉक्यूमेंट्री और संडे टाइम्स की रिपोर्ट से सामने आए थे। उसमें पांच महिलाओं ने गंभीर आरोप लगाए थे, जिनमें से चार ने अपना नाम गुप्त रखा था। जांच दो साल से ज्यादा समय से चल रही है। पुलिस की जांच जारी है। पुलिस ने कहा कि शिकायत करने वाली सभी महिलाओं को विशेष ट्रेनिंग वाले अधिकारी मदद दे रहे हैं।

50 ओवर में बने 574 रन वैभव-गनी की बदौलत बिहार ने रचा लिस्ट-ए का नया कीर्तिमान

रांची। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर बिहार ने विजय हजारे ट्रॉफी में इतिहास रचते हुए 574 रन बनाकर लिस्ट-ए क्रिकेट का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया। इस पारी में कई विश्व और भारतीय रिकॉर्ड टूटे और बिहार ने खुद को घरेलू क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में शीर्ष पर दर्ज करा लिया। विजय हजारे ट्रॉफी में बिहार ने नया कीर्तिमान रचा है। टीम ने प्लेट लेवल के मुकाबले में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ लिस्ट-ए इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बना दिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बिहार ने 50 ओवर में छह विकेट गंवाकर 574 रन बनाए, जो लिस्ट-ए क्रिकेट का अब तक का सबसे बड़ा टीम स्कोर बन गया। इससे पहले लिस्ट-ए क्रिकेट का सबसे बड़ा स्कोर तमिलनाडु के नाम था। उसने 2022 में अरुणाचल के खिलाफ ही दो विकेट पर 506 रन बनाए थे। वैभव ने 190 और गनी ने 128* रन बनाए इस पारी का केंद्र रहे 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी और कप्तान सकीबुल गनी, जिन्होंने सिर्फ 84 गेंदों में 190 रन ठोक दिए। उनके अलावा आयुष लोहारुका (116), कप्तान सकीबुल गनी (128*) और पियूष सिंह (77) ने भी तूफानी पारियां खेलीं। बिहार की ओर से तीन तूफानी शतक लगे।

भारत से चीन की नजदीकी देख घबराया अमेरिका यूएस की रिपोर्ट में हुए ये खुलासे

वॉशिंगटन। अमेरिकी रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन एलएसी पर तनाव कम होने का फायदा उठाकर भारत से रिश्ते सुधारना चाहता है। ऐसे में ये भी कहा जा सकता है कि अमेरिका भारत-चीन नजदीकी से चिंतित है, इसलिए इस रिपोर्ट को अमेरिका की रणनीतिक चाल के रूप में भी देखा जा सकता है। आइए जानते हैं कि आखिर अमेरिका क्यों ऐसा करना चाहता है? भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव में आई कमी को लेकर अमेरिका ने एक रिपोर्ट जारी की है। अमेरिका के रक्षा विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन इस शांति का

फायदा उठाकर भारत के साथ रिश्ते सुधारना चाहता है और अमेरिका-भारत की बढ़ती नजदीकी को रोकने की कोशिश कर रहा है। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह रिपोर्ट सिर्फ आकलन है या इसके पीछे अमेरिका की कोई रणनीतिक चाल भी छिपी है। अमेरिकी रक्षा विभाग की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर 2024 में भारत और चीन ने एलएसी पर बचे हुए टकराव वाले इलाकों से पीछे हटने का समझौता किया था। यह समझौता ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से ठीक पहले हुआ, जहां चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात हुई। इसके बाद दोनों देशों के बीच सीमा प्रबंधन, सीधी उड़ानों, वीजा सुविधा और लोगों के आदान-प्रदान जैसे मुद्दों पर बातचीत तेज हुई। रिपोर्ट में अमेरिका का क्या कह रहा? रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव कम होने के बाद चीन इस स्थिति का लाभ उठाकर भारत के साथ द्विपक्षीय रिश्तों को स्थिर करना चाहता है और अमेरिका-भारत की बढ़ती नजदीकी को सीमित करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत चीन की मंशा को लेकर सतर्क बना हुआ है और आपसी अविश्वास के कारण रिश्तों में सीमाएं बनी रहेंगी। इस रिपोर्ट से साफ लग रहा है जैसे अमेरिका जानबूझकर दोनों देशों के बीच अच्छे रिश्तें नहीं चाहता। भारत-चीन करीब आए तो एशिया की ताकत बदलेगी ऐसे में कहा जा सकता है कि अमेरिका की सबसे बड़ी चिंता यह है कि अगर भारत और चीन वास्तव में करीब आ गए, तो एशिया में एक ऐसी बड़ी शक्ति उभर सकती है, जो अमेरिका के प्रभाव को चुनौती दे सके। भारत की जनसंख्या, बाजार और रणनीतिक स्थिति, और चीन की आर्थिक व सैन्य ताकत अगर ये दोनों देश साथ आ गए, तो एशिया में शक्ति संतुलन पूरी तरह बदल सकता है। रूस के साथ त्रिकोण बना तो अमेरिका कमजोर पड़ेगा अमेरिका की चिंता यहीं खत्म नहीं होती। अगर भारत और चीन के साथ रूस भी किसी स्तर पर जुड़ गया, तो यह त्रिकोण न केवल एशिया बल्कि पूरी दुनिया में अमेरिका के वर्चस्व को सीधी चुनौती दे सकता है। ऊर्जा, रक्षा और कूटनीति- तीनों मोर्चों पर यह गठजोड़ अमेरिका के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है। ऐसे में अमेरिका चाहता है कि भारत और चीन के बीच अविश्वास बना रहे और दोनों देश पूरी तरह करीब न आ पाएं। विश्लेषण या रणनीतिक हथकंडा? इसी संदर्भ में यह सवाल उठ रहा है कि क्या यह अमेरिकी रिपोर्ट केवल चीन की मंशा का निष्पक्ष विश्लेषण है या फिर एक सोची-समझी रणनीति। रिपोर्ट में बार-बार यह कहा गया है कि भारत चीन की नीयत को लेकर संशय में है और दोनों देशों के रिश्ते सीमित रहेंगे। इससे एक संदेश यह भी जाता है कि भारत को चीन से दूरी बनाए रखनी चाहिए और अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी को प्राथमिकता देनी चाहिए।

शांति समझौते की कवायदों के बीच फंसा पेंच इस मुद्दे पर झुकने के लिए राजी नहीं जेलेंस्की

कीव। अमेरिका और यूक्रेन ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए 20 बिंदुओं की शांति योजना पर सहमति बना ली है। हालांकि, पूर्वी यूक्रेन के क्षेत्रों पर नियंत्रण और जापोरिजिया परमाणु संयंत्र को लेकर मतभेद बने

हुए हैं। यह प्रस्ताव रूस को सौंप दिया गया है और अब मॉस्को के जवाब पर आगे की शांति प्रक्रिया निर्भर करेगी। करीब चार साल से जारी यूक्रेन-रूस युद्ध को खत्म करने की दिशा में एक अहम कूटनीतिक पहल सामने आई है। अमेरिका और यूक्रेन कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति के करीब पहुंच गए हैं, लेकिन यूक्रेन के पूर्वी इलाकों पर नियंत्रण और जापोरिजिया परमाणु बिजली संयंत्र को लेकर मतभेद अब भी बने हुए हैं। जेयह मसौदा हाल के दिनों में फ्लोरिडा में हुई लंबी बातचीत के बाद तैयार हुआ है। इस योजना को रूस के सामने रखा गया है और मॉस्को से जवाब की उम्मीद की जा रही है। 20 सूत्रीय योजना पर सहमति जेलेंस्की ने बताया कि प्रस्तावित योजना में सुरक्षा, आर्थिक पुनर्निर्माण और राजनीतिक स्थिरता से जुड़े कई बिंदु शामिल हैं। इसमें युद्धविराम, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा गारंटी और यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को दोबारा खड़ा करने के उपायों पर सहमति बनी है। अमेरिका और यूक्रेन का मानना है कि इन कदमों से लंबे समय से जूझ रहे संघर्ष को निर्णायक मोड़ मिल सकता है। पूर्वी क्षेत्रों पर मतभेद बरकरार यूक्रेन के पूर्वी औद्योगिक क्षेत्र, जहां लंबे समय से संघर्ष चल रहा है, वहां क्षेत्रीय नियंत्रण को लेकर कोई अंतिम सहमति नहीं बन सकी है। जेलेंस्की ने साफ किया कि यूक्रेन अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगा। परमाणु संयंत्र बना चुनौती यूरोप के सबसे बड़े इस परमाणु संयंत्र की सुरक्षा और संचालन को लेकर अभी समाधान नहीं निकल पाया है। यूक्रेन चाहता है कि यह संयंत्र पूरी तरह अंतरराष्ट्रीय निगरानी में रहे, ताकि किसी भी तरह का परमाणु खतरा न पैदा हो। रूस के जवाब पर टिकी निगाहें जेलेंस्की ने कहा कि अब गेंद रूस के पाले में है। अमेरिका ने यह प्रस्ताव रूसी वाताकारों को सौंप दिया है और जल्द ही प्रतिक्रिया आने की उम्मीद है। यदि रूस सकारात्मक रुख दिखाता है तो शांति वार्ता को आगे बढ़ाया जा सकता है, अन्यथा संघर्ष और लंबा खिंच सकता है।

आग से दूर हट जाओ ट्रंप का हाथ थाम लो संयुक्त राष्ट्र की बैठक में अमेरिका ने ईरान को दी सलाह

वॉशिंगटन। तेहरान और वॉशिंगटन के बीच तनाव बढ़ने के साथ ही ईरान ने यूरेनियम का उत्पादन बढ़ा दिया है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु

निगरानी संस्था ने बताया है कि ईरान के पास 440 किलोग्राम से ज्यादा यूरेनियम है, जिसे 60 फीसदी तक संवर्धित किया गया है। ईरान और अमेरिका ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक विवादास्पद बैठक में कूटनीति के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं की पुष्टि की। हालांकि, परमाणु समझौते पर ट्रंप प्रशासन और इस्लामिक गणराज्य के बीच की खाई अभी भी गहरी बनी हुई है। जून में ईरान के साथ इस्त्राइल के 12 दिन चले युद्ध के तुरंत बाद वॉशिंगटन और तेहरान के बीच वार्ता का छठा दौर निर्धारित किया गया था। इस दौरान अमेरिका ने इस्त्राइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर बमबारी की थी। वार्ता रद्द कर दी गई और सितंबर में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिका के साथ किसी भी प्रत्यक्ष परमाणु वार्ता को नकार दिया। 'भरोसे को बहाल करें पश्चिमी देश', वठ में बोला ईरान ईरान के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत अमीर सईद इरावानी ने सुरक्षा परिषद को बताया कि ईरान सैद्धांतिक कूटनीति और वास्तविक बातचीत के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अब फ्रांस, ब्रिटेन और अमेरिका की जिम्मेदारी है कि वे अपना रुख बदलें और विश्वास और भरोसे को बहाल करने के लिए ठोस और विश्वसनीय कदम उठाएं। दोनों देशों के राजनयिकों के बीच बातचीत में अमेरिकी मिशन की काउंसलर मॉर्गन ओर्टागस ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के साथ औपचारिक वार्ता के लिए तैयार है, लेकिन केवल तभी जब तेहरान प्रत्यक्ष और सार्थक बातचीत के लिए तैयार हो। ईरानी राजदूत बोले- किसी दबाव और धमकी के आगे नहीं झुकेंगे ओर्टागस ने कहा कि ट्रंप ने अपने दोनों कार्यकालों के दौरान ईरान की ओर कूटनीति का हाथ बढ़ाया है। उन्होंने कहा, 'कूटनीति का हाथ थामने के बजाय, आप आग में हाथ डालना जारी रखे हुए हैं। आग से दूर हट जाइए और राष्ट्रपति ट्रंप की कूटनीति के हाथ को थाम लीजिए। यह हाथ आपकी ओर बढ़ाया गया है।' हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ट्रंप प्रशासन ने यह साफ कर दिया है कि ईरान के अंदर परमाणु सामग्री का संवर्धन नहीं हो सकता, जो विवाद का एक प्रमुख मुद्दा है। इस पर इरावानी ने कहा कि शून्य संवर्धन पर अमेरिका का अड़ियल रवैया 2015 के समझौते के तहत ईरान के अधिकारों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि ईरान किसी भी दबाव और धमकी के आगे नहीं झुकेगा।

टोरंटो में भारतवंशी महिला की हत्या वाणिज्य दूतावास ने जताया शोक

टोरंटो। टोरंटो में भारतीय मूल की 30 वर्षीय हिमांशी खुराना की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने इसे घरेलू हिंसा से जुड़ा अपराध बताया है और आरोपी अब्दुल गफूरी के खिलाफ कनाडा-व्यापी वारंट जारी किया गया है। कनाडा के टोरंटो शहर से भारतीय समुदाय को झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। यहां भारतीय मूल की 30 वर्षीय महिला हिमांशी खुराना की हत्या कर दी गई है। पुलिस ने इस मामले में 32 वर्षीय अब्दुल गफूरी को मुख्य आरोपी बताया है, जिसके खिलाफ पूरे कनाडा में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। टोरंटो पुलिस के अनुसार, हिमांशी खुराना का शव स्ट्रैचन एवेन्यू और वेलिंगटन स्ट्रीट वेस्ट के पास स्थित एक आवास के अंदर से बरामद किया गया। शुरूआती जांच में इस घटना को घरेलू या करीबी संबंधों से जुड़ी हिंसा का मामला माना जा रहा है। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने जताया गहरा शोक टोरंटो स्थित

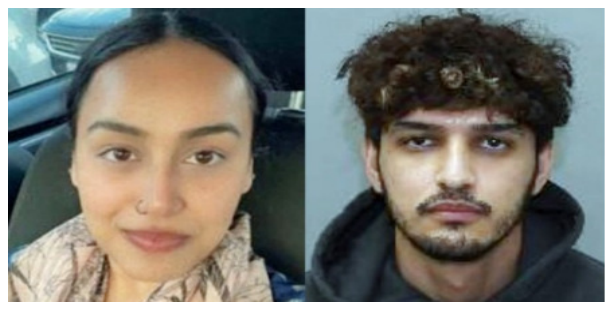

भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। पोस्ट में कहा गया 'हम भारतीय नागरिक हिमांशी खुराना की हत्या से बेहद दुखी और स्तब्ध हैं। इस गहरे दुख की घड़ी में हम उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। बीते कुछ दिनों से वाणिज्य दूतावास इस मामले पर नजर बनाए हुए है और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर परिवार को हर संभव सहायता दी जा रही है।' दूतावास ने यह भी स्पष्ट किया कि वह मामले को लेकर लगातार स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। आरोपी फरार, पूरे कनाडा में तलाश टोरंटो पुलिस ने आरोपी अब्दुल गफूरी की तस्वीर जारी करते हुए जनता से मदद की अपील की है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा हमने आरोपी की तस्वीर सार्वजनिक की है। यदि किसी को उसके ठिकाने की जानकारी हो, तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें। फिलहाल आरोपी फरार है और उसे पकड़ने के लिए पूरे कनाडा में अलर्ट जारी कर दिया गया है। अब जानिए कैसे सामने आया मामला गौरतलब है कि पुलिस अधिकारियों ने बताया शुक्रवार को हिमांशी खुराना के लापता होने की सूचना मिलने के बाद तलाशी शुरू की गई थी। इसके अगले दिन यानी शनिवार को जब पुलिस ने संबंधित आवास में प्रवेश किया, तो वहां हिमांशी का शव मिला। जांच के बाद पुलिस ने मौत को हत्या करार दिया। पुलिस ने पुष्टि की है कि आरोपी अब्दुल गफूरी और मृतका हिमांशी खुराना एक-दूसरे को पहले से जानते थे। हालांकि, उनके रिश्ते की प्रकृति को लेकर विस्तृत जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

कम उम्र की लड़कियों में दिलचस्पी एपस्टीन-नासर पत्र में ट्रंप का नाम

वॉशिंगटन। जेफरी एपस्टीन से जुड़ा एक कथित पत्र, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिया गया था, अमेरिकी न्याय विभाग ने फर्जी बताया है। यह पत्र हजारों दस्तावेजों के साथ सार्वजनिक किया गया था। कुख्यात यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों को लेकर अमेरिका में एक बार फिर हलचल मच गई है। अमेरिकी न्याय विभाग (उद्दख) ने मंगलवार को एपस्टीन से संबंधित हजारों अतिरिक्त फाइलें सार्वजनिक कीं, जिनमें एक कथित पत्र भी शामिल था। इस पत्र में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लेकर आपत्तिजनक

संदर्भ दिया गया था। हालांकि, कुछ ही घंटों बाद न्याय विभाग ने साफ कर दिया कि यह पत्र फर्जी है। न्याय विभाग ने अपने बयान में कहा कि इस कथित पत्र में किए गए दावे तथ्यात्मक नहीं हैं और इसे किसी भी तरह से प्रमाणिक नहीं माना जाना चाहिए। इस पत्र के सार्वजनिक होने के बाद यह सवाल भी उठे कि बिना पुष्टि के ऐसे दस्तावेज सामने आने से भ्रम फैल सकता है। न्याय विभाग ने इसी को लेकर चेतावनी दी कि किसी भी दस्तावेज को अंतिम सत्य मानने से पहले उसकी सत्यता की जांच जरूरी है। जानिए क्या था कथित पत्र में? यह पत्र कथित तौर पर 13 अगस्त 2019 का बताया गया था, जब जेफरी एपस्टीन जेल में बंद था। पत्र लैरी नासर के नाम लिखा गया बताया गया, जो अमेरिका की महिला जिमनास्टिक टीम के डॉक्टर रहते हुए सैकड़ों लड़कियों के यौन शोषण के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। कथित पत्र में यह दावा किया गया था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जवान लड़कियों के लिए उनका प्यार शेयर करते हैं। लेटर में लिखा है 'प्रिय एल.एन., जैसा कि आप अब तक जानते हैं, मैंने घर के लिए छोटा रास्ता लिया है। गुड लक! हमने एक चीज शेयर कीङ्घ जवान लड़कियों के लिए हमारा प्यार और देखभाल और यह उम्मीद कि वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचेंगी। हमारे प्रेसिडेंट भी जवान, जवान लड़कियों के लिए हमारे प्यार को शेयर करते हैं।' पत्र में आगे लिखा था 'जब कोई जवान सुंदरी पास से गुजरती थी तो उसे ह्यहड़पनाह्न पसंद था, जबकि हम सिस्टम के मेस हॉल में खाना छीनते थे। जिंदगी गलत है।' न्याय विभाग ने क्यों कहा पत्र फर्जी? पत्र सार्वजनिक होने के कुछ ही घंटों बाद अमेरिकी न्याय विभाग ने बयान जारी कर स्पष्ट किया कि यह दस्तावेज नकली है। विभाग ने कहा यह फर्जी पत्र इस बात की याद दिलाता है कि सिर्फ किसी दस्तावेज का सार्वजनिक होना यह साबित नहीं करता कि उसमें किए गए दावे सच हैं। न्याय विभाग ने यह भी कहा कि कानून के तहत जरूरी सभी दस्तावेज सार्वजनिक किए जाते रहेंगे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उनमें मौजूद हर आरोप या दावा तथ्यात्मक हो। एपस्टीन और नासरः पहले से दोषी अपराधी जेफरी एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के गंभीर आरोप थे।

यूक्रेन पर रूस के भीषण हमले, 650 से ज्यादा ड्रोन-36 मिसाइलों से 13 इलाकों को बनाया निशाना

जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, इस बमबारी से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यूक्रेन पर हमला जारी रखने का इरादा स्पष्ट होता है। यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों ने शिकायत की है कि पुतिन अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में गंभीरता से सहयोग नहीं कर रहे हैं। रूस ने मंगलवार (23 दिसंबर) को यूक्रेन पर एक बड़े हमले में 650 से अधिक ड्रोन और करीब 36 मिसाइलें दागीं। 13 यूक्रेनी इलाकों में किए गए इस हमले में तीन लोग मारे गए। मृतकों में एक चार वर्षीय बच्चा भी शामिल है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमले में यूक्रेन के 13 क्षेत्रों में घरों और बिजली ग्रिड को निशाना बनाया गया, जिससे बिजली की

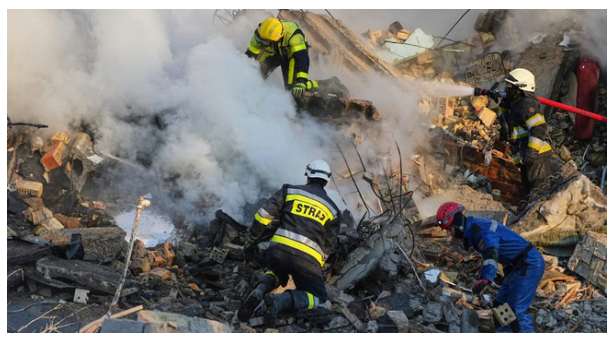

व्यापक कटौती हुई। इससे पहले उन्होंने शांति समझौते की दिशा में हुई हालिया प्रगति को ठोस बताया था। जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, इस बमबारी से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यूक्रेन पर हमला जारी रखने का इरादा स्पष्ट होता है। यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों ने शिकायत की है कि पुतिन अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में गंभीरता से सहयोग नहीं कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा, यह हमला रूसी प्राथमिकताओं का बेहद स्पष्ट संकेत है। क्रिसमस से ठीक पहले ऐसा हमला किया गया, जब लोग परिजनों के साथ घर में रहना चाहते हैं। वह बोले, यह हमला इस युद्ध को खत्म करने के लिए जारी वार्ता के बीच में हुआ है। इससे पता चलता है कि पुतिन यह स्वीकार नहीं कर सकते कि हमें हत्याएं बंद करनी होंगी। शांति वार्ता में ठोस प्रगतिः जेलेंस्की यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, रूस-यूक्रेन शांति समझौते के लिए अमेरिका द्वारा पेश किए गए शुरूआती मसौदे कीव की कई मांगों को पूरा करते हैं। जेलेंस्की ने हालांकि संकेत दिया कि युद्ध को समाप्त करने के लिए होने वाली वाताओं में दोनों पक्षों की सभी इच्छाएं पूरी होने की संभावना कम ही है। उन्होंने समझौते की कोशिश कर रहे अमेरिकी अधिकारियों के साथ हुई हालिया बातचीत पर कहा, इस चरण में काफी ठोस प्रगति नजर आ रही है। यूक्रेन ने तेल टर्मिनल व जेट पर साधा निशाना रूसी हमलों से पहले यूक्रेनी सेना ने रूस में सिलसिलेवार हमलों में एक तेल टर्मिनल, पाइपलाइन, दो खड़े जेट लड़ाकू विमानों और दो जहाजों को निशाना बनाया है। ये हमले रूस की युद्ध क्षमता को कमजोर करने और अग्रिम मोर्चे से दूर के इलाकों में असुरक्षा का माहौल पैदा करने के अभियान का हिस्सा हैं। हमलों का एक उद्देश्य व्लादिमीर पुतिन की उस रणनीति को भी झटका देना था, जिसके तहत वह रूस को अमेरिकी नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में सैन्य रूप से मजबूत स्थिति से बातचीत करने वाले देश के रूप में पेश करना चाहते हैं। क्रिसमस के त्योहार पर बड़ी तबाही यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि बमबारी से भीषण सर्दी के बीच व्यापक स्तर पर बिजली गुल हो गई। इससे गर्म पानी या गर्मी के लिए ऊर्जा खत्म हो गई है। इसका असर आम जन-जीवन पर पड़ा है।

ललित मोदी-विजय माल्या का लंदन में पार्टी करते वीडियो, हंसते हुए बोले- हम भारत के सबसे बड़े भगोड़े

लंदन। विजय माल्या और ललित मोदी का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में ललित मोदी ने खुद को और विजय माल्या को भारत के सबसे बड़े भगोड़े बताया है। दोनों लंबे समय से विदेश में रह रहे हैं और कई कोशिशों के बाद भी दोनों को अभी तक भारत नहीं लाया जा सका है। भारत को दो सबसे बड़े भगोड़े ललित मोदी और विजय माल्या लंदन में ऐशो-आराम की जिंदगी जी रहे हैं। काफी कोशिशों के बाद भी दोनों को अब तक भारत नहीं लाया जा सका है। अब आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट कर तंज कसा है। जिसके बाद यह वीडियो खूब देखा जा रहा है। इस वीडियो में ललित मोदी और विजय माल्या लंदन में पार्टी करते नजर आ रहे हैं। ललित मोदी ने कसा तंज इतना ही नहीं इस वीडियो में ललित मोदी हंसते हुए कह रहा है कि हम दोनों भगोड़े हैं, भारत के सबसे बड़े भगोड़े। इस दौरान वीडियो में विजय माल्या और उसकी पत्नी भी हंसते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए ललित मोदी ने लिखा 'चलो फिर से इंटरनेट हिला देता हूं। खासकर आप मीडिया वालों के लिए, जलन के साथ देखते रहिए।' इसके साथ ही ललित मोदी ने हंसते हुए इमोजी भी पोस्ट किए हैं। साफ है कि ललित मोदी ने भारतीय एजेंसियों पर तंज कसा है और मजाक उड़ाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह वीडियो 22 दिसंबर को विजय माल्या की जन्मदिन पार्टी का है।

नौकरी से निकालो, वरना दफ्तर में आग लगा देंगे बांग्लादेश में एक और मीडिया चैनल को मिली धमकी

ढाका। बांग्लादेश में लोकतंत्र की जड़ों को उखाड़ने के लिए कट्टरपंथी मीडिया संस्थानों को निशाना बना रहे हैं। हाल के दिनों में कई मीडिया संस्थानों के कार्यालयों में आग लगा दी गई और कई पत्रकारों पर हमले हुए। अब एक और चैनल की वरिष्ठ पत्रकार नाजनीन मुन्नी को भी धमकी दी गई है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में कट्टरपंथी बेलगाम हैं और पूरे देश में अराजकता और हिंसा का माहौल है। कट्टरपंथी बांग्लादेश के लोकतंत्र को तबाह करने पर तुले हैं और इसके लिए वे स्वतंत्र मीडिया संस्थानों को निशाना बना रहे हैं। जो भी मीडिया संस्थान या पत्रकार बांग्लादेश के मौजूदा हालात और कट्टरपंथियों के खिलाफ बात करता है, उसे निशाना बनाया जा रहा है। अब कट्टरपंथियों के निशाने पर आईं हैं बांग्लादेश की वरिष्ठ पत्रकार नाजनीन मुन्नी। कट्टरपंथियों ने ग्लोबल टीवी को धमकी दी है कि अगर उन्होंने 48 घंटे के भीतर नाजनीन मुन्नी को नौकरी से नहीं निकाला तो वे ग्लोबल टीवी के दफ्तर में भी आग लगा देंगे। छात्र आंदोलन के सदस्यों ने दी धमकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीती 21 दिसंबर को कई युवाओं का एक समूह ढाका स्थित ग्लोबल टीवी के दफ्तर पहुंचा था। इन लोगों ने चैनल के एमडी अहमद हुसैन से मुलाकात की और मांग की कि चैनल की न्यूज हेड नाजनीन मुन्नी को तुरंत नौकरी से निकाला जाए।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।